Tni आवाज़

राजस्थान की राजनीति

E-mail: tniawaz.news@gmail.com | आपकी आवाज के साथ.... | RAJHIN/2012/43137

HP NEWS हिन्दुस्तान की आवाज
हिन्दुस्तान पत्रिका
HINDUSTAN KI AWAZ

जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, टोंक, अजमेर, भरतपुर, धौलपुर, बीकानेर, कोटा, सवाईमाधोपुर से प्रसारित

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, बुधवार 15 मई, 2024 | » वर्ष: 2 » अंक: 203 » पृष्ठ: 8 » मूल्य: 2.00 रू.

सुशील मोदी का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार, पटना के दीघा घाट पर बड़े बेटे ने दी मुखाग्नि

राजस्थान की राजनीति/पटना

बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी का अंतिम संस्कार मंगलवार की शाम राजकीय सम्मान के साथ पटना के गंगा के दीघा घाट पर किया गया। उनके बड़े बेटे उत्कर्ष तथागत ने मुखाग्नि दी। इसके लिए बिहार बीजेपी के मंगलवार के सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए। शाम साढ़े सात बजे बीजेपी प्रदेश कार्यालय से दीघा घाट के लिए शव यात्रा निकली। बता दें, सुशील मोदी का सोमवार रात को दिल्ली स्थित एम्स में निधन हो गया। वह कैंसर से पीड़ित थे। इससे पहले पटना एयरपोर्ट से पार्थिव शरीर को राजेंद्र नगर स्थित उनके पैतृक आवास ले जाया गया। इसके बाद पार्थिव शरीर आरएसएस के क्षेत्रीय कार्यालय और फिर विधानसभा परिसर पहुंचा। पार्टी कार्यालय में समारोह के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्थिव शरीर पर फूल अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देकर सम्मानपूर्वक विदाई दी। वहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत और सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री दिवंगत सुशील कुमार मोदी को मंगलवार को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि उनके जाने से देश ने एक जागरूक सामाजिक कार्यकर्ता और कुशल राजनेता को खो दिया है।

380 में 270 सीट लेकर बहुमत प्राप्त कर चुके हैं पीएम मोदी: अमित शाह

राजस्थान की राजनीति/कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के बनगांव में एक जनसभा के दौरान एक बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि चार चरण के मतदान पूरे हो गए हैं। 380 सीटों का चुनाव पूरा हो गया है। बंगाल में 18 सीटों का चुनाव पूरा हो गया है। आज में बता कर जाता हूं कि 380 में से पीएम मोदी 270 सीट लेकर पूर्ण बहुमत प्राप्त कर चुके हैं। आगे की लड़ाई 400 पार करने की है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी झूठ बोल रही हैं कि ष्ट के तहत नागरिकता के लिए जो भी अर्जी करेगा, उसे तकलीफ आएगी। मतुआ समाज के लोगों को मैं आश्वस्त करने आया हूं कि किसी को कोई तकलीफ नहीं आएगी। नागरिकता भी मिलेगी और देश में सम्मान के साथ जी भी पाओगे। दुनिया की कोई ताकत मेरे शरणार्थी भाइयों को भारत का नागरिक बनने से रोक नहीं सकती, ये श्री नरेन्द्र मोदी जी का वादा है। उन्होंने कहा कि यहां पर (बंगाल में) कटमनी, घुसपैठ, बम धमाके और सिंडिकेट राज... ममता दीदी नहीं बंद कर सकती हैं, इसे सिर्फ मोदी जी ही बंद कर सकते हैं। चिटफंड घोटाले वाले, शिक्षक भर्ती घोटाले वाले, नगरपालिका भर्ती घोटाले वाले, राशन घोटाले वाले, गाय और कोयला तस्करी करने वाले व पैसे लेकर सवाल करने वालों को जेल जाने की तैयारी कर लेनी चाहिए।

मुंबई होर्डिंग त्रासदी मामले में भावेश भिंडे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई! मरने वालों की संख्या हुई 14, बचाव अभियान जारी

मुंबई। मुंबई में होर्डिंग गिरने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है, जबकि 75 लोग घायल हैं। त्रासदी के एक दिन बाद भी बचाव और तलाशी अभियान जारी है। विशालकाय होर्डिंग के पेट्रोल पंप पर गिरने के कारण वहां आग लगने के डर से गैस कटर का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, इसलिए बचाव अभियान में तेजी नहीं लाई जा सकती। मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फणसालकर ने घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। सोमवार को मुंबई में आई धूल भरी आंधी और बेमौसम बारिश के दौरान घाटकोपर इलाके में एक पेट्रोल पंप पर 120×120 वर्ग फुट का अवैध होर्डिंग गिर जाने से यह हादसा हुआ था। दुर्घटना के बाद बचाव कार्य में लगी एनडीआरएफ की टीम के एक अधिकारी के अनुसार बचाव दल को एक चुनौती का सामना करना पड़ रहा था। क्योंकि वे गैसोलीन से चलने वाले कटर उपकरण और ऑक्सीफ्यूल कटर का उपयोग नहीं कर सकते थे। क्योंकि इससे पेट्रोल पंप में विस्फोट या आग लग सकती थी। सोमवार को हुई घटना के बाद से कम से कम 12 दमकल गाड़ियां और अन्य वाहन खोज एवं बचाव अभियान में लगे थे।

कांग्रेस भ्रष्टाचार, आतकंवाद और गरीबी की जननी

70 साल से गरीबी हटाओ का नारा दे रही कांग्रेस, लेकिन गरीबों से वास्ता नहीं: सीएम भजनलाल

राजस्थान की राजनीति/बहादुरगढ़/जयपुर

सीएम भजनलाल शर्मा ने हरियाणा में चुनावी सभाओं के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधा है। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार, आतंकवाद, नक्सलवाद, तुष्टीकरण और गरीबी की जननी है। इस पार्टी को सबसे ज्यादा समय सत्ता में रहने का मौका मिला लेकिन गरीबों की सुध नहीं ली। सीएम ने कहा कि कांग्रेस के राज में भ्रष्टाचार का आलम यह था कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहते थे कि दिल्ली से हम एक रुपया भेजते हैं तो जनता तक 15 पैसे ही पहुंचते हैं।आतंकवाद के कारण लोग डर के साये में जीते थे। आंतकवादी आए दिन बंम फोड़कर चले जाते थे। देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के सिर भी काट दिए जाते थे। 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। गरीब कल्याण और देश के विकास के साथ ही दुनिया में भारत का गौरव भी बढ़ा है। सीएम हरियाणा के बहादुरगढ़ में रोहतक लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी डॉ. अरविंद कुमार शर्मा के समर्थन में सभा को

संबोधित कर रहे थे। सीएम ने कहा- एक समय पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक कांग्रेस का वर्चस्व था, लेकिन इनकी नीति और नियत ठीक नहीं होने के कारण जनता ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। आजादी के बाद जब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देखा कि कांग्रेस स्वार्थ और तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है तो उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा देकर जनसंघ का गठन किया और उनके राष्ट्रवाद के सिद्धांत पर चलते हुए आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है।

राज्य सरकार ने माना था कि नियमों की पूरी पालना हुई

एकल पट्टा मामले में राजस्थान सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बीते दिनों जवाब पेश किया। इस दौरान पेश किए जवाब में कहा गया था कि मामले में नियमों की पूरी पालना हुई थी, जिसने सरकार को किसी भी तरह का कोई वित्तीय नुकसान भी नहीं हुआ है, लेकिन अब भजनलाल सरकार ने अपने जवाबों पर पुनर्विचार करने का निर्णय करने जा रही है। इसको लेकर सरकार जवाब के पुनर्विचार पर कमेटी का गठन कर रही है, जो पिछली बार पेश किए गए जवाब पर बारीकी से समीक्षा करेगी।

धारीवाल और 3 अधिकारियों को मामले मिली थी क्लीन चिट

हाल ही में राजस्थान सरकार ने एकल पट्टा मामले में कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल और तीन अन्य अधिकारियों पर लगे आरोपों पर क्लीन चिट दे दी थी। सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए जवाब में कहा गया था कि 10 साल पहले के एकल पट्टा मामले में कोई प्रकरण नहीं बनता है। इस मामले के बाद राज्य सरकार ने एसीबी के अधिकारी राजेंद्र नैन को APO कर दिया था।

भजनलाल सरकार जवाब पर फिर से करेगी पुनर्विचार

बीते दिनों एकल पट्टा मामले में सुप्रीम कोर्ट में भजनलाल सरकार की ओर से जवाब प्रस्तुत किया गया। इसके बाद पूर्व मंत्री धारीवाल समेत तीन अधिकारियों को क्लीन चिट दिया गया, लेकिन फिर से भजनलाल सरकार इस मामले में यू टर्न लेती हुई नजर आ रही हैं। बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए जवाब को लेकर सरकार पुनर्विचार के लिए कमेटी का गठन करने जा रही हैं। इसके तहत सरकार अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा के सहयोग के लिए गृह विभाग, JDA और एसीबी के अधिकारियों को शामिल कर नई कमेटी गठित कर रही हैं, जो सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए जवाब की समीक्षा करेगी।

70 साल से गरीबी हटाओ का नारा दे रही कांग्रेस, लेकिन गरीबों से वास्ता नहीं

सीएम ने कहा- कांग्रेस 70 साल से गरीबी हटाओ का नारा दे रही है। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, डॉ. मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी के बाद अब राहुल गांधी भी गरीबी हटाने की बात कर रहे हैं, लेकिन गरीबों से इनका कोई वास्ता नहीं है। पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब कल्याण की योजनाएं चलाकर 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है और लगभग 50 करोड़ लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए हैं। सीएम कहा- पिछले 10 साल में भ्रष्टाचार और आतंकवाद की एक भी घटना सामने नहीं आई है। मोदीजी जनता को 100 रुपए भेजते हैं तो उनके खाते में 100 ही पहुंचते हैं, बीच में कट नहीं लगता। पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री जी ने अपनी हर दिवाली सीमा पर तैनात सैनिकों के साथ मनाकर उनका हौसला बढ़ाया है।

'ऐसी बेवकूफी नहीं करना चाहिए कि मुझे बुलाया नहीं गया, जाने से नुकसान हो तो क्या फायदा?: गहलोत

राजस्थान की राजनीति/जयपुर।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस के कद्दावर नेता सचिन पायलट के बीच एक बार फिर से जुबानी जंग शुरू हो गई है। राहुल गांधी के प्रचार-प्रसार में जुटे गहलोत ने अमेठी में मीडिया से बातचीत करते हुए पायलट पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि ऐसी बेवकूफी न करें कि बुलाया नहीं। प्रियंका गांधी आईं थी, सचिन आते तो सब वेलकम करते, जाने से नुकसान हो तो क्या फायदा? इससे पहले पायलट ने 25 सितंबर, 2022 की घटना का जिक्र करते हुए गहलोत को घेरने का प्रयास किया था। दोनों नेताओं के बीच फिर से बयानबाजी शुरू होने के बाद कांग्रेस में हलचल मच गई। राजनीतिक जानकार इसके अलग-अलग सियासी मायने निकाल रहे हैं। बता दें कि गहलोत के बेटे वैभव ने जालौर-सिरोही सीट से लोकसभा चुनाव लड़े हैं। अमेठी में मीडिया से बातचीत करते हुए गहलोत ने कहा कि कई इस तरह की बातों को चुनाव में मुद्दा बना

दिया जाता है, लेकिन इस तरह के मुद्दों पर कॉमेंट करने से बचना चाहिए। चुनाव में कई बार ये अनावश्यक इश्यू बनाया जाता है, लेकिन ऐसी बेवकूफी भी नहीं करनी चाहिए कि मुझे बुलाया नहीं गया। पायलट को ऐसा बयान नहीं देना चाहिए। इसकी जरूरत नहीं थी। जिसमें उन्होंने कहा कि मुझे जालौर-सिरोही चुनाव प्रचार के लिए नहीं बुलाया गया। कई बार ऐसा हो जाता है, समय नहीं मिल पाता है। हालांकि, प्रियंका गांधी जब चुनाव प्रचार करने के लिए आई थी तो सचिन पायलट भी साथ आते, उनका भी वेलकम होता, लेकिन इस तरह के बयान देने को मैं सही नहीं मानता हूं। गहलोत ने कहा कि मैं जयपुर ग्रामीण में अनिल चोपड़ा के चुनाव प्रचार में नहीं जा पाया। मेरे ह्रस्ष्ठ से उनकी बात हुई थी, लेकिन समय का तालमेल नहीं बैठ पाया। अगर मैं इस मुद्दे पर बयान देता और कहता कि मैं चोपड़ा के यहां जाना चाहता था, लेकिन मुझे फीडबैक नहीं मिला, यह ठीक नहीं होता है। चुनाव के वक्त इस तरह के बयान कैंडिडेट को नुकसान पहुंचाते हैं। हर उम्मीदवार जीतने के लिए चुनाव लड़ता है। वहां की क्या परिस्थितियां है, किस नेता की जरूरत है, उसी हिसाब से पार्टी कंट्रोल रूप से मांग की जाती है। बेतुके बयानों से कैंडिडेट को नुकसान होता है। लोकसभा चुनाव के बीच सचिन पायलट ने एक न्यूज एजेंसी को इंटरव्यू दिया था। पायलट के इस इंटरव्यू ने कांग्रेस की सियासत में खलबली मचा दी। उन्होंने 25 सितंबर, 2022 की सियासी घटना जिक्र करते हुए इशारों में गहलोत को घेरने का प्रयास किया।

वाराणसी लोसकभा सीट से पीएम मोदी ने भरा नामांकन, 4 लोग बने प्रस्तावक

राजस्थान की राजनीति/वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को तीसरी बार वाराणसी लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल किया है। पीएम मोदी के नामांकन में इस बार पंडित गणेश्वर शास्त्री, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा और संजय सोनकर को प्रस्तावक बनाया गया था। मोदी के नामांकन के खास अवसर पर काशी में 12 राज्यों के मुख्यमंत्री और 18 कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे। गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्?डा, आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू, अभिनेता पवन कल्याण, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, सुभासपा के ओमप्रकाश राजभर, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत अन्य मुख्यमंत्री कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। काशी की ज्योतिष परपंरा से आने वाले ब्राह्मण समाज से गनेश्वर शास्त्री द्रविड़, जयसंघ के समय से भाजपा से जुड़े बैजनाथ पटेल, ओबीसी समाज से ही लालचंद कुशवाहा और दलित समाज से आने वाले संजय सोनकर को पीएम का प्रस्तावक बनाया गया। पंडित गणेश्वर शास्त्री ने ही आयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुर्हूत निकाला था। वो ब्रह्माण समाज से हैं। बैजनाथ पटेल ओबीसी समाज से आते हैं और वह संघ के पुराने और समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं। लालचंद कुशवाहा भी

ओबीसी समुदाय से हैं, जबकि संजय सोनकर दलित समाज से हैं। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, प्रस्तावक वे स्थानीय लोग होते हैं जो किसी उम्मीदवार को चुनाव लड़ने के लिए अपनी ओर से प्रस्तावित करते हैं। आमतौर पर नामांकन के लिए किसी महत्वपूर्ण दल के वीआईपी कैंडिडेट के लिए पांच ओर आम उम्मीदवार के लिए 10 प्रस्तावकों की जरूरत पड़ती है। नियमों के अनुसार, अगर कोई उम्मीद पर किसी मान्यता प्राप्त पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहा है, तो निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदाता को उसकी उम्मीदवारी का प्रस्ताव देना आवश्यक होता है। पीएम मोदी ने नामांकन दाखिल करने से पहले सुबह दशाश्वमेध घाट पर पुरोहितों के मंत्रोच्चार के बीच गंगा का पूजन और आरती की। यहां पीएम क्रूज पर सवार होकर नमो घाट पहुंचे।

चोरों को चैन की नींद सोने नहीं दूंगा', कोडरमा के मंच से पीएम मोदी का भ्रष्टाचारियों को साफ संदेश

रांची। लोकसभा चुनाव के प्रचार-प्रसार के लिए प्रधानमंत्री मोदी झारखंड के कोडरमा पहुंचे। कोडरमा संसदीय क्षेत्र के पेशम गांव में रैली को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस, झामुमो पर जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि जब देश में एक मजबूत सरकार होती है तो वो सबसे पहले देश का हित देखती है, देश के लोगों का हित देखती है, लेकिन जब देश में कांग्रेस जैसी कमजोर सरकार होती है तो वो देश को भी कमजोर कर देती है। ऐसी कमजोर सरकार कभी भी देशवासियों का भला नहीं कर सकती। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की कमजोर सरकारों ने देश को नक्सलवाद की आग में झोंका। इस आग में वामपंथियों ने भी अपनी रोटियां से कीं। ये भाजपा की सरकार है, जिसने देश में नक्सली हिंसा पर लगाम लगाई। उन्होंने आगे कहा कि मैंने लाल किले से कहा था, मैं भारत को भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण से मुक्त कराने के लिए अपना जीवन खपा दूंगा।

ताकतवर सौर तूफान ने पृथ्वी पर डाला असर', इसरो ने कहा- आने वाले दिनों में फिर दिख सकती है हलचल

राजस्थान की राजनीति/बंगलूरू

बीते शुक्रवार को दो दशक बाद सबसे शक्तिशाली सौर तूफान पृथ्वी से टकरा गया था। इस वजह से दुनिया के कई देशों में ध्रुवीय ज्योति (ऑरोरा) जैसा नजारा देखने को मिला। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र (इसरो) का कहना है कि मई की शुरुआत में एक ताकतवर सौर तूफान ने पृथ्वी पर असर डाला है। बताया गया है कि यह तूफान सूर्य के सबसे सक्रिय क्षेत्र में विस्फोटों के कारण उत्पन्न हुआ। इस वजह से पृथ्वी पर कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) की शुरुआत हुई है। इसरो का कहना है कि सूर्य में उठे तूफान की वजह से पृथ्वी पर भू-चुंबकीय तूफान आया। इस तूफान तीव्रता 2003 के बाद से सबसे अधिक दर्ज की गई। इस वजह से संचार और जीपीएस सिस्टम में बाधा उत्पन्न हुई। अंतरिक्ष

एजेंसी ने एक बयान में कहा है कि ताकत के मामले में यह तूफान 2003 के बाद सबसे बड़ा भू-चुंबकीय तूफान है। आगे कहा गया है कि सूर्य के जिस क्षेत्र में सौर तूफान आया, वह 1859 में हुई कैरिंगटन घटना जितना बड़ा था। बता दें कि 2 सितंबर 1859 को लंदन के रेड हिल शहर में रिचर्ड क्रिस्टोफर कैरिंगटन सूर्य पर मौजूद काले धब्बों का अध्ययन कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सूर्य पर एक भयानक विस्फोट को देखा था। इसका असर पृथ्वी के ध्रुवीय इलाकों पर देखा गया था। इसरो ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में कई कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) पृथ्वी से टकराए हैं। कई जगह इसका गंभीर असर देखने को मिला है। यह भी आशंका जताई गई है कि आने वाले कुछ दिनों में भी ऐसी घटनाएं देखने को मिल सकती हैं। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि इस तूफान का भारत पर ज्यादा असर इसलिए नहीं पड़ा क्योंकि जिस समय यह तूफान अत्यधिक शक्तिशाली था, उस समय आयनमंडल पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ था। इसके अलावा निचले अक्षांशों पर होने की वजह से भारत में बड़े पैमाने पर बिजली कटौती की सूचना नहीं मिली।

चुनाव आयोग ने की जनता की सराहना, राजनीतिक दलों की तल्ख होती टिप्पणी पर दे डाली नसीहत

राजस्थान की राजनीति/नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों की तल्ख होती भाषा से परेशान चुनाव आयोग ने एक बार फिर सभी राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं से प्रचार के दौरान अच्छे उदाहरण पेश करने की उम्मीद जताई है।

चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को दिखाया आईना

आयोग ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों की खासकर शीर्ष राजनीतिक दलों और उनके शीर्ष नेताओं की यह जिम्मेदारी बनती है कि बचे चरणों के चुनाव प्रचार के दौरान ऐसी कोई भी गलत बयानबाजी न करें, जिसका आगे चलकर समाज के ताने-बाने पर बुरा प्रभाव पड़े या नुकसान पहुंचे। आयोग ने मंगलवार को सात चरणों में होने वाले

लोकसभा चुनाव के चार चरण के सकुशल संपन्न होने पर आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) की स्थिति की समीक्षा की। साथ बताया है कि अब तक दर्ज हुई चुनाव से जुड़ी 90 प्रतिशत से अधिक शिकायतों का निपटारा कर दिया गया है। बाकी शिकायतों पर भी कार्रवाई की गई है। इस दौरान भाजपा और कांग्रेस पार्टी की कुछ शिकायतों को छोड़ दें तो किसी भी पार्टी की कोई शिकायत लंबित नहीं है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने सहयोगी चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार व सुखबीर सिंह संधू के साथ इस दौरान एमसीसी से जुड़े सभी पहलुओं व शिकायतों को नए सिरे से परखा। आयोग के अनुसार, 16 मार्च को चुनाव आचार संहिता लगने के बाद से उन्हें राजनीतिक दलों की ओर से 425 बड़ी शिकायतें मिली थी। इनमें से चार सौ शिकायतों पर कार्रवाई की गई है

आयोग ने की जनता की सराहना

आयोग ने आदर्श चुनाव आचार संहिता की सख्ती से पालन कराने में जनता की भागीदारी को सराहा और बताया कि अब तक सी-विजिल एप के जरिए उन्हें जनता से एमसीसी से जुड़ी 4.22 लाख शिकायतें मिल चुकी है। इनमें से 99.9 प्रतिशत शिकायतों पर कार्रवाई की गई है। वहीं 88.7 प्रतिशत शिकायतों का सौ मिनट के तय समय के भीतर ही निपटारा कर दिया गया। आयोग ने इसके साथ इस अवधि में आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में बड़ी संख्या में अधिकारियों के स्थानांतरण, कई पार्टियों के नेताओं को प्रतिबंधित करने जैसी बड़ी कार्रवाई की भी जानकारी दी। गौरतलब है कि आयोग ने लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले भी सभी राजनीतिक दलों से चुनाव प्रचार के स्तर पर स्वस्थ रखने की सलाह दी थी।

सीबीएसई परीक्षा परिणाम में आदर्श टैगोर सनी चौधरी को मिला संभागस्तर में प्रथम स्थान

विज्ञान वर्ग में 96.20 प्रतिशत अंक

राजस्थान की राजनीति

नदबई। कस्बे के आदर्श टैगोर सीनियर विद्यालय के विद्यार्थी सनी चौधरी ने सीबीएसई सीनियर वर्ग के परीक्षा परिणाम में सर्वोच्च अंक हासिल कर संभागस्तर पर मिनी कोटा का वर्चस्व बनाए रखा। आदर्श टैगोर सीनियर विद्यालय के विद्यार्थी सनी चौधरी ने विज्ञान वर्ग में 96.20 प्रतिशत अंक हासिल कर संभागस्तर पर पहला स्थान हासिल किया। सनी चौधरी ने भविष्य में भारतीय प्रशासनिक सेवा का लक्ष्य बताते हुए अपनी सफलता का श्रेय प्रबंधक सतीशचंद शर्मा व माता-पिता को दिया। सनी चौधरी के पिता सैन्य सेवा व माता गृहणी है। बाद में आदर्श टैगोर सीनियर विद्यालय में ढोल नगाडों के बीच तनु राठौड़ (95.20 प्रतिशत) व दसवीं की छात्रा नव्या शर्मा (96.20 प्रतिशत) सहित अन्य विद्यार्थियों का शिक्षकों ने माला व साफा पहनाकर अभिनंदन किया। इस दौरान प्रबंधक सतीशचंद शर्मा, नरेशचंद शर्मा, रमेशचंद गुप्ता, भूपेन्द्र कटारा, योगेश त्यागी, लोकेश बुराला मौजूद रहे।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना के अंतर्गत हुए कार्यों का जिला एवं ब्लॉक स्तरीय टीम ने किया भौतिक सत्यापन

राजस्थान की राजनीति

दबलाना/सुरेंद्र गौतम। दबलाना उप तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत दबलाना व भवानीपुरा के राजस्व गांवों में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना में मॉडल श्रेणी के तहत हुए कार्यों का मंगलवार को जिला एवं ब्लॉक स्तरीय टीम ने भौतिक सत्यापन किया। हिंडोली ब्लॉक समन्वयक राकेश कुमार भारद्वाज ने बताया कि भौतिक सत्यापन करने वाली टीम में संतोष गोपाल सिंह अतिरिक्त विकास अधिकारी जिला परिषद बूंदी, बाबू खान अतिरिक्त विकास अधिकारी पंचायत समिति नैनवा, राजेंद्र कुमार जैन सहायक विकास अधिकारी पंचायत समिति नैनवा, पारस कुमार जैन सहायक विकास अधिकारी पंचायत समिति नैनवा शामिल थे। टीम सदस्यों ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत हुए कार्यों वर्मिंग कंपोस्ट, नाडेफ, सोखपिट,, मौजिकपिट, लिचपिट, सामुदायिक स्वच्छता, सूखे व गीले कचरे का अलग-अलग निस्तारण, कीचड़ निस्तारण, डोर टू डोर कचरा कलेक्शन, विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केंद्र शौचालय जैसे कई कार्यों का भौतिक सत्यापन किया। दबलाना पंचायत मुख्यालय सहित आकोल्या, लोधा का झोपड़ा के कार्यों का टीम द्वारा भौतिक सत्यापन करते समय उप सरपंच सुरेंद्र गौतम, ग्राम विकास अधिकारी हरि ओम शर्मा मौजूद रहे। भवानीपुरा, शंकरपुरा कंजर बस्ती, गोरस्या का खेड़ा में सरपंच श्याम बाबू कर्मावत, ग्राम विकास अधिकारी छोटू लाल लोधा की मौजूदगी में टीम ने भौतिक सत्यापन किया।

जयपुर में युवक का किडनैप, 50 हजार की फिरौती वसूली

लिफ्ट देने के बहाने कार में बैठाया, आंखों पर पट्टी बांधकर की मारपीट

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में एक युवक का किडनैप कर 50 हजार की फिरौती वसूलने का मामला सामने आया है। लिफ्ट देने के बहाने बदमाशों ने उसे कार में बैठा लिया। हथियार के दम पर आंखों पर पट्टी बांधकर चलती कार में मारपीट की। सांगानेर सदर थाने में पीड़ित ने किडनैप कर फिरौती वसूलने का मामला दर्ज करवाया है।

एसआई प्रेम कुमार ने बताया- निवाई टोंक निवासी शुभम शर्मा (24) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह सीतापुरा में एक कंपनी में जॉब करता है। कंपनी से रोज अपने घर निवाई अप डाउन करता है। रोज की तरह रात करीब 9 बजे कंपनी से घर जाने के लिए वाटिका लालबत्ती पर वाहन का इंतजार कर रहा था। काले रंग की कार में दो लोग आए। निवाई जाने की बताने पर लिफ्ट देने के बहाने कार में बैठा लिया। शिवदासपुरा के पास तीन लड़के ओर कार में बैठ गए।

कार में बैठते ही बदमाशों ने हथियार के दम पर उसके साथ मारपीट की। आंखों पर पट्टी बांधकर चलती कार में उसके साथ मारपीट करते रहे। उसकी जेब में रखे रुपए और मोबाइल छीन लिए। कौथून पुलिया के पास कार से नीचे उतारकर उसके पिता को कॉल किया। बेटे को जान से मारने की धमकी देकर 50 हजार रुपए की फिरौती मांगी। ऑनलाइन पेमेंट करने के बाद उसे लाखनपुर गांव में नाले में पटककर बदमाश भाग गए। जैसे-तैसे मेन रोड पर आकर राहगीर से मोबाइल लेकर परिजनों को कॉल कर बुलाया। सांगानेर सदर थाने में पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज करवाई।

गंदे पानी का मुख्य नाला हुआ जाम

गंदगी व गंदे पानी की निकासी के नही इंतजाम

मौहल्लो व गलियो मे गंदे पानी का जमावडा रहने से फैला गंदगी का वातावरण

शिकायत के बाद भी अधिकारियो की कुंभकरणीय नींद नही ले रही है खुलने का नाम

राजस्थान की राजनीति

कोटकासिम (चेतराम सैनी)। कोटकासिम नगर पालिका प्रशासन की कार्यशैली पर बार-बार सवालिया निशान लग रहे है। उसके बाद भी ताज्जुब का विषय तो यह है कि नगरपालिका मे कार्यरत अधिशाषी अधिकारी सहित स्टाफ आमजन की समस्या पर कोई ध्यान नही दे रहा है। नगरवासियो द्वारा समस्याओ को लेकर प्रशासन को अवगत कराया जा रहा है। उसके बावजूद भी प्रशासन की नींद खुलने का नाम नही ले रही है। इन दिनो सबसे गंभीर समस्या किशनगढ रोड स्थित मुख्य गंदे नाले की बनी हुई है। गंदे नाले मे पिछले करीब 6 माह से गंदे पानी की निकासी को पूरी तरह से अवरूद्ध कर दिया गया है। जिसके कारण गंदे नाले मे गंदा पानी एवं कूडा व गंदगी से पूरी तरह अट गया है। जिससे सडक के किनारे बना हुआ नाला दुकानदारो के लिए गंदगी का केन्द्र बना हुआ है। वही इस समस्या से नाले से जूडे हुए मौहल्ले व गलियो मे रहने वाले लोगो को भी नरकीय जीवन जीना पड रहा है। लोगो द्वारा समस्या को लेकर विरोध प्रदर्शन भी किये साथ ही अधिशाषी अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी को भी कई बार अवगत करा दिया गया लेकिन प्रशासन के अधिकारी की कुंभकरणीय नींद खुलने का नाम ही नही ले रही है।

क्रोसिंग रास्तो मे खुला हुआ नाला दे रहा है हादसे को निमंत्रण

नाले का दुरूस्तीकरण के दौरान रास्तो से क्रोसिंग नाले को नगरपालिका प्रशासन द्वारा उखाड दिया गया है। तभी से ही उखडा हुआ नाला यथावत रहने से आए दिन वाहन चालक एवं राहगीर खुले हुए नाले मे हादसे का शिकार हो रहे है। प्रशासन द्वारा इस विषय मे ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि नगरवासियो द्वारा समस्या को लेकर अधिकारियो का फरीयाद लगाई जा रही है। ग्रामीणो का कहना है कि खुले हुए नाले मे आए दिन आवारा पशु, स्कुली बच्चे एवं रात के अंधेरे मे दुर्घटना का शिकार हो रहे है। वही खुले नाले से उठती हुई सडान बढिया वातावरण को गंदा बना रही है जिसके चलते यहां के लोगो को जीना मुहाल हो रहा है।

लाखो रूपये खर्च के बाद भी आमजन की समस्या का सामधान अटका

नगरपालिका प्रशासन द्वारा किशनगढबास सडक मार्ग पर बने हुए नाले मे गंदे पानी की निकासी के इंतजाम के लिए नाले मे फर्स का निर्माण के साथ-साथ नाले का दुरूस्तिकरण भी कराया गया था। लेकिन उसके बाद से ही यह कार्य आधा अधूरा रहने से आस-पास का सारा गंदा पानी नाले मे भरा हुआ है। वही आए दिन पानी की निकासी नही होने से गलियां व मौहल्लो मे गंदे पानी की जमावडा होने के कारण नगरवासियो को इन रास्तो से निकलना भी टेडी खीर बना हुआ है।

जिम्मेदार अधिकारी झाड रहे है पल्ला, फोन उठाना नही समझ रहे है मुनासिब

एक तरफ तो सरकार द्वारा प्रशासनीक एवं आला अधिकारियो को आमजन की समस्याओ को प्राथमिकता से निपटाने के लिए ढोल पिटा जा रहा है। साथ ही उपखंड मुख्यालय नही छोडने के लिए भी दिशा निर्देश दिये गए है। लेकिन उपखंड मुख्यालय कोटकासिम मे कार्यरत अधिकारी व कर्मचारी पूरी तरह अपनी मनमर्जी पर उतर रहे है और सरकार के नियम व कायदो को सरेआम धता बता रहे है। किसी भी अधिकारी से घटना दुर्घटना एवं किसी समस्या के बारे मे फोन पर संपर्क किया जाता है तो यहां कार्यरत अधिकारी फोन उठाना भी मुनासिब नही समझते है। इतना ही नही मिडिया द्वारा गंदे पानी की निकासी के विषय मे जानकारी लेनी चाहि तो नगरपालिका मे मौजूद एक अधिकारी द्वारा दूसरे अधिकारी पर पल्ला झाड दिया। वही अधिशाषी अधिकारी से इस विषय मे जानकारी लेनी चाहि तो पूर्व की भांती श्रीमान जी ने फोन उठाना मुनासिब नही समझा।

कोटकासिम उपखंड कार्यालय के बाद पुलिस थाने मे एसीबी की कार्यवाही

15 हजार की रिश्वत लेते कोटकासिम पुलिस थाने का उपनिरीक्षक किया ट्रैप

दुर्घटना के प्रकरण को नार्मल कार्यवाही के लिए 15 हजार रूपये की रिश्वत की थी मांग

राजस्थान की राजनीति

कोटकासिम (चेतराम सैनी)। इन दिनो उपखंड मुख्यालय कोटकासिम मे सरकारी कार्यालयो पर सरेआम रिश्वत का खेल खेला जा रहा है। जिसके चलते आमजन के बिना रिश्वत के काम करवाना किसी चुनौति से कम नही है। इसका जीता जागता साबुत उपखंड कार्यालय के बाद मंगलवार को भ्रष्टाचार ब्यूरो के अधिकारियो द्वारा कोटकासिम पुलिस थाने मे एक उपनिरीक्षक 15 हजार रूपये की रिश्वत लेते ट्रैप किया गया है। गौरतलब रहे कि 7 मई को एसीबी द्वारा तत्कालीन उपखंड अधिकारी व उपखंड अधिकारी द्वारा साढे 12 लाख रूपये की रिश्वत मांगने के प्रकरण मे एसीबी की टीम द्वारा कार्यवाही की गई थी। वही मंगलवार को एसीबी टीम द्वारा पुलिस थना कोटकासिम थना पुलिस ने रंगे हाथो रिश्वत लेते एएएसआई को ट्रैप किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के

महानिर्देशक पुलिस प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी की सीकर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई की दुघर्टना के प्रकरण मे नोर्मल कार्यवाही करने एवं जप्त पिकअप को जल्दी रिलीज करवाने की आरोपी रधुवीर सिंह सहायक उपनिरीक्षक पुलिस थाना कोटकासिम द्वारा 15 हजार रूपये रिश्वत राशि की मांग की गई थी। इसके चलते एसीबी श्री अनवर दूसरी इकाई के उपअधिक्षक परमेश्वर लाल के निर्देशन मे शिकायत का सत्यापन किया जाकर उनके द्वारा मय टीम के तहत कार्यवाही करते हुए कोटकासिम पुलिस थाने मे कार्यरत उपनिरीक्षक रघुवीर सिंह को परिवादी से 15 हजार रूपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथो गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब रहे कि आरोपी सहायक उपनिरीक्षक पुलिस द्वारा शिकायत के सत्यापन के दौरान भी परिवादी से 2 हजार रूपये रिश्वत के लूटने वसूल कर लिये थे। उपमहानिरीक्षक पुलिस रणधीर सिंह के सूपरविजन मे आरोपी से पूछताछ के साथ कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले मे भ्रष्टाचार निवारण अधिनीयम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रीम अनुसंधान जारी किया जायेगा।

आख़िर सफाई संवेदक क्यों नहीं देते हैं सफाई कर्मियों का समय पर वेतन

नगर परिषद् के अस्थाई 336 सफाई कर्मियों ने की हड़ताल

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। दौसा नगर परिषद में फिर एक बार सफाई बेपटरी होने जा रही है। क्योंकि नगर परिषद में संवेदक के द्वारा अस्थाई सफाई कर्मियों को दोमाह से वेतन नहीं मिलने से मंगलवार से सफाई कार्य का बहिष्कार कर हड़ताल पर चले गए हैं। जिससे सफाई नहीं होने से शहर में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगने लगे हैं। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि संवेदक को 5 माह से वेतन नहीं मिला और इसी के चलते नगर परिषद में 336 अस्थाई सफाई कर्मियों का दो माह का वेतन नहीं मिलने से उनका घर का गुजारा करना मुश्किल हो गया। इसके चलते थक हारकर

उन्होंने आज मंगलवार से कार्य का बहिष्कार कर हड़ताल पर चले गए हैं। साथ ही अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर कार्यवाहक आयुक्त मनीष कुमार जाटव को ज्ञापन सौंपा है। सफाई कर्मियों का कहना है कि संविदा कर्मचारियों को पांच माह से जोन नंबर 7 के ठेकेदार ने भुगतान नहीं किया। जोन नंबर 1,2,3,4,5 के ठेकेदार ने अभी तक 3 महीने का वेतन नहीं दिया। साल भर से दोनो ठेकेदारों ने एसआईपीएफ नहीं डाला है। स्थाई कर्मचारियों को वर्दी का भुगतान करवाया जाये। साथ ही इनका समर्पित अवकाश का भुगतान 15 दिन में दिलवाया जाए और अस्थाई कर्मचारियों को वेतन दिलाने के साथ ही सफाई कर्मियों को उपकरण भी उपलब्ध करा जाये। गैर वाल्मीकि समाज के सफाई कर्मचारियों से सफाई का काम कराया जाये। आदि मांगों को लेकर सफाई कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया।

भारतीय जनता पार्टी के किसी भी कार्यकर्ता के सम्मान में नहीं आने दी जाएगी कोई कमी - दामोदर अग्रवाल

राजस्थान की राजनीति

दबलाना/सुरेंद्र गौतम। दबलाना मण्डल पर भारतीय जनता पार्टी की सामूहिक बैठक मंगलवार को श्री बोर के बालाजी महाराज मंदिर परिसर में संपन्न हुई। बैठक के मुख्य अतिथि भीलवाड़ा लोकसभा प्रत्याक्षी दामोदर अग्रवाल रहे। अग्रवाल ने सर्वप्रथम श्री बोर के बालाजी महाराज के धौक लगा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर तिलक माल्यार्पण दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। इसके बाद स्थानीय भाजपा पदाधिकारीयों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा अतिथियों का तिलक लगा, माला पहना, दुपट्टा धारण करवा कर स्वागत सत्कार किया गया। मुख्य अतिथि अग्रवाल ने कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान करवाने पर सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया। साथ ही उन्होंने कहा कि कार्यकताओं के सम्मान में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने भी हिंडोली विधान सभा क्षेत्र में विकास में कोई कमी नही आने देने का विश्वास दिलाया। इसी दौरान बैठक में मौजूद सभी पदाधिकारीयों एवं कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में अशोक शर्मा, सीताराम सैनी, ओम धगाल, हिंडोली प्रधान प्रतिनिधि भेरू प्रकाश माहेश्वरी (ओवण), हेमराज राठौर, रमेश चंद्र पारीक, देवी शंकर प्रजापत, हीरा लाल गुर्जर, भवानी सिंह, मुकेश जाजू, मुकेश कुमावत, विजय सिंह राठौड़, पारस लोधा, बिरधी लाल यादव, नवराज सैन सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रैणागिरी धाम के स्वामी बालकादेवाचार्य जी महाराज की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त

राजस्थान की राजनीति

कोटकासिम (चेतराम सैनी)। मंगलवार को समीपवर्ती श्री शीतलदास जी आश्रम रैणागिरी धाम के स्वामी बालकादेवाचार्य जी महाराज की कार कोटकासिम के कादयियां गांव में सोमवार देर रात करीब 1 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गई। स्वामी बालकादेवाचार्य की कार को सामने से आ रही एक पिकअप ने टक्कर मार दी,जिससे कार दो पलटी खाते हुए सड़क के किनारे जा गिरी।हादसे में कार में बैठे एक व्यक्ति को गंभीर चोट आई है, वहीं बालकादेवाचार्य को भी हल्की चोट लगी है। गाड़ी में बैठे दो अन्य लोग सुरक्षित है। कार को टक्कर मार कर पिकअप ड्राइवर मौके से फरार हो गया है।पिकअप का ड्राइवर शराब के नशे में बताया जा रहा था। घटना के बाद बालकादेवाचार्य को कोटकासिम अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। रात के समय तुरंत ही दूसरी गाड़ी मंगा कर महाराज को रैनागिरी धाम पहुंचाया गया।जानकारी के अनुसार रैनागिरी धाम के महंत बालकादेवाचार्य सोमवार को भिवाड़ी में एक कार्यक्रम में शामिल होकर रात 1 बजे वापस रैनागिरी धाम के लिए जा रहे थे। तभी कोटकासिम क्षेत्र के कादईया गांव में सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप के ड्राइवर ने गाड़ी को टक्कर मार दी। फिलहाल इसको लेकर पुलिस में कोई मामला दर्ज नहीं करवाया गया है। वहीं क्षतिग्रस्त कार और पिकअप मौके पर ही खड़ी हुई है।

उत्तर मैट्रिक छात्वृति में आवेदन करने की अंतिम तिथि अब 31 मई

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। जिला परीविक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी दौसा ने बताया कि उत्तर मैट्रिक छार्त्वृति योजनान्तर्गत जिन छार्त-छात्रओ के छार्त्वृति आवेदन में एस.एस.ओ. पर एप्लीकेशन मार्क इनरेड फ्लैग प्रदर्शित हो रहा है वो सभी छार्त अपने सभी मूल दस्तावेज (जाति प्रमाण पर्त, मुल निवास प्रमाण पर्त, स्वंय की बैंक खाते की पासबुक, जनाधार मुखिया के बैंक खाते की पासबुक) लेकर जिला कार्यालय के कमरा नंबर 147 में 25 मई 2024 तक सपंर्क किया जाना सुनिश्चित करें, साथ ही जिन छार्त-छात्रओ के द्वारा छार्त्वृति आवेदन में आक्षेप पूर्ति नही की गयी है वो छार्त भी आक्षेप पूर्ति करवाया जाना सुनिश्चित करें। पूर्व में रेड फ्लैग एवं आक्षेप पूर्ति से लंबित आवेदनों की पूर्ति किये जाने हेतु निदेशालय स्तर से छात्रें को मैसेज द्वारा सूचित किया जा चुका है। यदि किसी छार्त छात्र के द्वारा उक्त आवश्यक कार्यवाही नही की जाती है तो इसके लिये छार्त व्यक्तिश जिम्मेदार होगे।

उन्होंने बताया कि सर्त 2023-24 में उत्तर मैट्रिक छार्त्वृति में आवेदन करने की अंतिम तिथि पूर्व निर्धारित तिथि 31 मार्च 2024 से बढाकर 31 मई 2024 की गयी है। अतः ऐसे पार्त छार्त जिनके द्वारा अभी तक सर्त 2023-24 में छार्त्वृति आवेदन नही किया है वो निर्धारित तिथी 31 मई 2024 से पहले आवेदन कर सकते हैं।

मां-चाचा को तलवार दिखाकर मारने की दी धमकी, गिरफ्तार

बाड़मेर

बीच सर्किल पर तलवार लहराते हुए मां और चाचा को मारने की धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने पकड़ लिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक से हथियार छीन लिया और उसे डिटेन किया। आरोपी अप्रेल माह में ही जेल से बाहर आया था और उसके खिलाफ मारपीट सहित करीब 9 मामले दर्ज है। पुलिस ने बताया- पचपदरा चामुंडा सर्किल पर सूचना मिली थी कि एक युवक हाथ में तलवार लेकर मां और चाचा को मारने की धमकियां दे रहा है। इसके कारण सर्किल पर काफी भीड़ इकट्ठा हो गई। मौके पर हेड कांस्टेबल मय जाब्ता पहुंचा और भीड़ को हटाकर घेराबंदी कर युवक के हाथ से हथियार जब्त किया। इसके बाद आरोपी युवक अमित सिंह पुत्र पवन कुमार को डिटेन कर थाने लेकर आए। पचपदरा थानाधिकारी अमराराम ने बताया- आरोपी अमित पुत्र पवन कुमार निवासी पचपदरा के खिलाफ में थाने में मामला दर्ज किया गया। युवक को गिरफ्तार कर तलवार को जब्त कर लिया है। पुलिस आरोपी से उत्पात मचाने के कारणों का पता लगाने की जांच कर रही है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अमित अप्रैल माह में ही जेल से बाहर आया था। उसके खिलाफ पूर्व में मारपीट व झगड़े के मामले दर्ज है। आरोपी के खिलाफ पचपदरा थाने में अलग-अलग समय में 9 मामले दर्ज है। कार्रवाई में हेड कॉन्स्टेबल लूंभाराम, कॉन्स्टेबल मांगीलाल, धक्काराम और प्रेमाराम शामिल रहे।

एक्सप्रेस-वे हुए हादसे के आरोपी गिरफ्तार, ट्रक ड्राइवर, मालिक और सहयोगी को बौंली से किया अरेस्ट

सवाई माधोपुर

सवाई माधोपुर में बौंली थाना इलाके में एक्सप्रेस-वे पर 5 मई को हुए भीषण सड़क हादसे के बाद आखिरकार आरोपी ट्रक ड्राइवर धरा गया। पुलिस ने 6 जिंदगियों को मौत के आगोश तक पहुंचाने वाले आरोपी ट्रक ड्राइवर, मालिक और सहयोगी को बौंली से गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी स्ढ्ढ जगदीश ने बताया कि 5 मई को एक्सप्रेस-वे पर पिकअप की टक्कर से कार सवार 6 लोगों की मौत हुई थी और 2 मासूम घायल हुए थे। जिसे लेकर मृतक कैलाश चौधरी के भाई उम्मेद सिंह पुत्र हीरालाल जाट निवासी सीकर ने अज्ञात वाहन ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। पुलिस की स्पेशल टीमें हफ्तेभर से आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही थी। मुखबिर तंत्र और आसूचना तंत्र की सहायता से बौंली थाना पुलिस ने लापरवाह ड्राइवर राजेश पुत्र हनुमान मीणा निवासी बड़ागांव, मालिक इंद्रराज पुत्र गिरिराज माली निवासी डिडवाड़ी और सहयोगी वीर सिंह पुत्र गिरिराज माली को गिरफ्तार किया। दरअसल, ट्रक अवैध बजरी परिवहन के व्यवसाय में संलिप्त था और एक्सप्रेस वे पर बने हुए अस्थाई बजरी स्टॉक से बजरी भरने के लिए जा रही था। ड्राइवर इतना बेपरवाह था कि उसने यह तक नहीं देखा कि पीछे कौन सा वाहन आ रहा है और अचानक एक्सप्रेस-वे पर ही टर्न कर लिया। पीछे से आ रही एक कार जिसमें पूरा परिवार गणेश जी के दर्शन के लिए जा रहा था, अचानक ट्रक के घूमने से तेज गति में आ रही कार ट्रक से टकरा गई। घटना में सीकर निवासी मनीष पुत्र रामावतार शर्मा, सतीश पुत्र रामावतार शर्मा, अनीता पत्नी मनीष, पूनम पत्नी सतीश व संतोष पत्नी गजानन्द शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उनका दोस्त ड्राइवर कैलाश चौधरी पुत्र बलवीर चौधरी भी काल के ग्रास में समा गया। हादसे में मनीष शर्मा की 6 वर्षीय पुत्री दीपाली और 10 वर्षीय पुत्र मनन शर्मा घायल हो गए। जिनका अभी तक जयपुर में उपचार चल रहा है। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके पर नहीं रुका और ट्रक को लेकर मौके से भाग गया।

डॉक्टर के घर की टंकी में मिलाया जहरीला केमिकल, बाथरूम में हाथ धोने पर हुई जलन

दौसा

दौसा में छत पर रखी टंकी में एसिड मिलाने का मामला सामने आया है। इसका पता चलने के बाद परिवार सहमा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं, पानी के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे हैं। मामला शहर के भांकरी रोड के पास का है। वेटनरी डॉक्टर गिरीश कुमार ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनी में उनका दो मंजिला मकान है। वह यहां अपनी पांच साल की बेटी और प%ी के साथ रहते हैं। तीन दिन पहले अचानक उनकी बेटी की तबीयत खराब हो गई। जिसे 12 मई को शहर के कृष्णा अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इस दौरान वह प%ी के साथ अस्पताल में ही रहे। सोमवार रात डॉक्टरों ने बेटी को डिस्चार्ज कर दिया। उसे लेकर वह 14 मई को सुबह घर चले आए। घर आने के बाद उन्होंने बाथरूम में हाथ धोए। हाथ धोते ही जलन होने लगी। ऐसे में उन्होंने छत पर रखी टंकी को देखा। इस दौरान उन्हें पता चला कि पानी कोई जहरीला केमिकल मिला हुआ है। इसके बाद पानी से बदबू भी आ रही थी। टंकी के पास बिना स्टीकर की तीन बोतलें मिली है। जिनमें केमिकल लाया गया है। इसके बाद उन्होंने छत पर लगे सीसीटीवी कैमरों को देखा। जिनके तार कटे हुए मिले और कैमरों पर टेप चिपका हुआ था। बिजली की लाइन भी कटी हुई मिली। यह बात उन्होंने अपने परिवार के अन्य लोगों को बताई। जिससे हड़कंप मच गया। डॉक्टर के मकान से कुछ दूरी पर उनके भाई का मकान भी है। उन्होंने और उनके भाई ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बोतलों को कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने घटना स्थल का मौका मुआयना कर जांच शुरू कर दी है।

12वीं की छात्रा को भगा ले गया स्कूल टीचर, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

राजसमंद

राजसमंद के दोवड़ा गांव में स्कूल टीचर पर छात्रा को भगा ले जाने के मामले को लेकर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने छात्रा को बहला फुसला कर ले जाने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। इस दौरान ग्रामीणों ने स्कूल में तालाबंदी कर सभी शिक्षकों को कमरे में बंद कर दिया। साथ ही प्रदर्शन भी किया। दरअसल आमेट उपखंड क्षेत्र में राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल दोवड़ा के अध्यापक इंद्रजीत सिंह (42) पर स्कूल की ही एक 18 साल की छात्रा को भगाने का आरोप लगाया गया है। टीचर इंद्रजीत सिंह हनुमानगढ़ का रहने वाला है और हाल निवासी बामनिया दरवाजा सरदारगढ़ है। ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल में कक्षा 12 की एक छात्रा को सोमवार को अध्यापक इंद्रजीत सिंह अपने साथ लेकर गया। इसके बाद छात्रा के परिजनों ने आमेट पुलिस थाने में शिक्षक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं होने पर ग्रामीणों को गांव सहित आसपास के ग्रामीण स्कूल परिसर पहुंचे और हंगामा किया। इस दौरान ग्रामीणों ने स्कूल में तालाबंदी कर सभी शिक्षकों को कमरे में बंद कर दिया और प्रदर्शन किया।

फिल्में देखकर सुपरकॉप बनने की होड़ मची, पुलिस कस्टडी में जबरन वीडियो बनाना गैरकानूनी: मदरेणा

जोधपुर

ओसियां की पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा ने जोधपुर ग्रामीण SP धर्मेंद्र सिंह यादव पर अवैध खनन और भूमाफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। मदेरणा ने सोशल मीडिया ङ्ग पर लिखा- आजकल पिक्चर देखकर सुपर कॉप या सिंघम बनने की होड़ लगी हुई है। सोशल मीडिया में पुलिस अधिकारी हीरो बनने के चक्कर में पब्लिक शेमिंग और पब्लिक ह्युमिलेशन के अनेक हथकंडे अपनाते हैं। जबकि आम जनता या पीड़ित को ये जानकारी ही नहीं होती की पुलिस कस्टडी में बने वीडियो में जुर्म कबूल करवा वायरल करवाना, सिर मूंछ दाढ़ी मुंडवाना और जुलूस निकलवाना पूरी तरह से गैरकानूनी है। 5 मई को जोधपुर के ओसियां थाना क्षेत्र में सिरमंडी टोल पर मारपीट के मामले में गिरफ्तार आरोपी के माफी मांगने का वायरल वीडियो को लेकर ओसियां की पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। साथ ही दिव्या ने एक और पोस्ट की है इसमें खुद पर हुए हमले को SP की विफलता बताया है। दिव्या मदेरणा ने कहा- 9 मई को खेड़ापा थाना इलाके के धनारी कलां में अवैध बजरी खनन चल रहा

था। इस मामले को लेकर ग्रामीण विरोध कर रहे थे। लेकिन, पुलिस ने खनन रुकवाने की कोई कार्रवाई नहीं की। गुस्साए ग्रामीणों में कुछ युवकों ने वहां अवैध खनन कर रहे लोगों की गाड़ियों पर पथराव कर दिया था। इसके बाद पुलिस ग्रामीणों को ही अगले दिन 10 मई को थाने ले आई थी। इसके बाद मैंने थानाधिकारी लाखाराम से कहा कि आपको दोनों पक्षों को हिरासत में लेना चाहिए था। इसी दिन मुझे एक वीडियो मिला जिसमें पुलिस ग्रामीण युवकों का मुंडन कराने वाली थी। मैंने तुरंत रेंज आईजी विकास कुमार से बात की तो उन्होंने आश्वासन दिलाया कि ये गलत है और ऐसा नहीं किया जाएगा। मदेरणा ने कहा- ये तो आजकल पुलिस का फैशन बन चुका है। लेकिन, ये न्याय संगत नहीं है। चूंकि मामला क्रिमिनल्स से जुड़ा होता है तो कोई कुछ कहता नहीं। लेकिन, जोधपुर ग्रामीण SP धर्मेंद्र यादव ने इसे ट्रेंड बना लिया है।

आरोप लगाया- बदला लेने के लिए ऐसा करती है पुलिस

मदेरणा ने ग्रामीण एसपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि एसपी धर्मेंद्र सिंह के निर्देशों पर ही गिरफ्तार होने वाले अपराधियों के वीडियो जारी कर सोशल मीडिया पर डाले जाते हैं। इसमें पैर तोड़ना, पैर पर गोली मारना, उनके निर्देश से ही एक फर्जी एनकाउंटर भी हुआ जो अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर सालभर पहले बायतु के ओमाराम जाट का किया था। उन्होंने ङ्ग पर लिखा कि क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में लिखा है कि गिरफ्तार व्यक्ति के साथ दुर्व्यवहार नहीं किया जाए। लेकिन पुलिस वाहवाही बटोरने के चक्कर में और कभी किसी से बदला लेने के चक्कर में ऐसा करती है। कई बार राजनीतिक दबाव में पुलिस पब्लिक शेमिंग कर अपना खुद की सामानांतर आपराधिक न्याय प्रणाली विकसित कर रही है। इसे पूरी तरह से रोका जाना चाहिए। इसका किसी भी व्यक्ति पर घातक मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है जो आत्महत्या का कारण बन सकता है। ऐसे दोषी पुलिस अधिकारी के खिलाफ तुरंत एक्शन लेना चाहिए। दिव्या ने आरोप लगाया कि ग्रामीण SP अपनी खुद की खुंदक निकालने के लिए ऐसा कर रहे हैं। वह इसे ट्रेंड की तरह चला रहे हैं, या तो उन्होंने इसे अपना राइट समझ लिया। एसपी अगर इसे इतना सही मानते तो ष्ठत्र से सर्कुलर जारी करवाइए की यह अधिकार पुलिस को दिया जाता है कि वह गिरफ्तार व्यक्ति के साथ ऐसा व्यवहार कर सकती है। दिव्या ने कहा की जोधपुर के किसी भी थाने में यदि एसपी के निर्देश पर गिरफ्तार व्यक्ति के साथ अधिकार का उल्लंघन किया तो हम घेराव करेंगे। ऐसा नहीं होने देंगे।

ड्रग फैक्ट्री को लेकर भी घेरा

दिव्या मदेरणा ने ओसियां में ड्रग फैक्ट्री पकड़े जाने को लेकर जोधपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक पर सवाल खड़े किए। कहा यह जोधपुर ग्रामीण पुलिस की विफलता को दर्शाता है। इतने बड़े स्तर के ऑपरेशन के लिए पुलिस की सहमति चाहिए होती है। इसके लिए थाने से SP को सूचना देते हैं और SP के निर्देश के बिना स्पेशल टीम, थानेदार या एसएचओ के हाथ बंधे होते हैं। वह किसी प्रकार की रेड या कार्रवाई नहीं करते। जोधपुर ग्रामीण क्षेत्र में भू माफिया अवैध खनन को संरक्षण देने वालों का पुलिस का खेल चल रहा है। ग्रामीण एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव ने कहा- असामाजिक तत्वों, क्षेत्र की शांति भंग करने वालों के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी रहेगा। असामाजिक तत्वों को जो भी सपोर्ट करेगा या षड्यंत्र में शामिल होगा उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

सीकर में स्कॉर्पियो सवार पर 4 राउंड फायरिंग, थार सवार बदमाशों ने एसयूवी को टक्कर मारी फिर गोलियां दागी

नीमकाथाना

जमीनी विवाद को लेकर स्कॉर्पियो सवार प्रॉपर्टी कारोबारी पर थार में आए 5 से 6 बदमाशों ने 4 राउंड फायरिंग कर दी। फायरिंग के बाद पीड़ित युवक तुरंत स्कार्पियो लेकर डीएसपी ऑफिस पहुंचा और पुलिस को मामले की जानकारी दी। घटना नीमकाथाना के गावड़ी मोड स्थित एवीवीएनएल कार्यालय के पास की है। पीड़ित युवक प्रदीप सैनी ने बताया कि उसका कपिल मीना से जमीन का एग्रीमेंट हुआ था, उस जमीन का एग्रीमेंट कैंसिल करवाने के लिए कपिल मीणा का साथी कुलदीप मीणा से चार-पांच महीने पहले धमकी मिली थी। धमकी मिलने के बाद सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पुलिस ने उस समय कहा था कि पाबंद कर दिया गया है अब कुछ नहीं होगा। आज वह गावड़ी बाईपास से गावड़ी मोड़ पर एक व्यक्ति को 8 लाख रुपए के चेक देने के लिए आ रहा था। तभी गावड़ी मोड़ से गावड़ी की तरफ जा रही थार गाड़ी ने पहले तो टक्कर मारी, उसके बाद पीछे के शीशे पर कुलदीप मीणा ने फायरिंग कर दी। थार गाड़ी में करीब 5 से 6 बदमाश सवार थे। फायरिंग करने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। मैं सीधा गाड़ी लेकर डीएसपी ऑफिस में चला गया। सूचना पर कोतवाली पुलिस फायरिंग होने की जगहर पहुंची। पुलिस ने घटना स्थल का जायजा लिया। घटना को लेकर एसपी प्रवीण नायक नुनावत, एएसपी गिरधारी लाल शर्मा और डीएसपी अनुज डाल ने डीएसपी ऑफिस आकर पीड़ित से मामले की जानकारी ली। एएसपी गिरधारी लाल शर्मा ने बताया कि पीड़ित प्रदीप सैनी ने कपिल मीणा की जानकारी से गावड़ी बाईपास पर जमीन ली थी। जिला बनने के बाद उस जमीन के पैसे बढ़ गए। कपिल मीना ने कहा कि जमीन वापस लेंगे। इस मामले को लेकर कुलदीप मीणा ने धमकी दी थी। आज कुलदीप मीणा ने पीड़ित प्रदीप सैनी पर फायरिंग की है। एएसपी ने कहा कि घटना की सूचना लेट मिली, जिस वजह से आरोपी भाग निकले। अलग-अलग टीम गठित कर नाकाबंदी करवाई गई है। आरोपियों की तलाश की जा रही। स्कार्पियो में गोली के खाली खोल मिले। गाड़ी के बाहर छर्रे लगे मिले हैं। पुलिस ने खाली खोल को जब्त कर लिया है।

पेट्रोल पंप कर्मचारी से लूट- 34 लीटर डीजल भरवाकर बिना पैसे दिए भागे, जान से मारने की दी थी धमकी

अजमेर

अजमेर जिले के किशनगढ़ में पेट्रोल पंप कर्मचारी से लूट की वारदात सामना आई है। सफेद रंग की स्कॉर्पियो में आए 4 बदमाशों ने 34 लीटर डीजल भरवाया और कर्मचारी को जान से मारने की धमकी देकर बिना पैसे दिए भाग गए। घटना पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी में कैद हुई है। कर्मचारी की ओर से मामले की शिकायत किशनगढ़ थाने में दी गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव काचरिया निवासी पेट्रोल पंप कर्मचारी रामचंद्र पुत्र मंगल चंद ने बताया कि वह खोड़ा माता मार्केट उदयपुर कला स्थित वंदना फिलिंग स्टेशन पैट्रोल पंप काम करता है। 13 मई को सफेद रंग के स्कॉर्पियो गाड़ी में 4 लोग पंप पर आए थे। कार में आगे बैठे व्यक्ति के द्वारा उसे डीजल डालने के लिए कहा गया था। पीड़ित कर्मचारी ने बताया कि इसके बाद उसने 34.91 लीटर डीजल डाल दिया था। इसके बाद उसने पैसे मांगे तो आगे बैठे व्यक्ति ने उसका गला पकड़ लिया और दबाने लगा। बाद में उसे जान से मारने की धमकी देकर उसकी जेब से 2 हजार रुपए लूट कर भाग गए। पीड़ित ने बताया कि जैसे ही सभी आरोपी भागने लगे उसका साथी राजेश आया और स्कॉर्पियो पर उसने पत्थर फेंका जिसके पीछे का कांच भी टूट गया था। इसके बाद उनके द्वारा इसकी सूचना पंप मालिक को दी थी। पंप मालिक के द्वारा इसकी सूचना किशनगढ़ थाना पुलिस को दी गई। पीड़ित की शिकायत पर किशनगढ़ थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी में पूरी वारदात कैद हुई है। जिसमें स्कार्पियो सवार 4 बदमाश डीजल भरवाने के बाद नगदी लूटकर भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ पीड़ित कर्मचारी का अन्य साथी वहां पहुंचा और गाड़ी पर पत्थर फेंकता हुआ भी दिखाई दे रहा है। सीसीटीवी के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

करंट से डेढ़ साल की मासूम समेत मां की मौत, टूटे बिजली के तार से लोहे की खिड़कियों में फैला

पाली

पाली में मंगलवार को करंट की चपेट में आने से डेढ़ साल की मासूम और उसे बचाने के लिए आई मां की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में दोनों को बचाने के प्रयास में ससुर भी झुलस गया। तीनों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां इलाज के दौरान मां और बेटी ने दम तोड़ दिया, वहीं गंभीर हालत होने के कारण ससुर को देवगढ़ रेफर किया गया। ग्रामीणों से मिली सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी। साथ ही सूचना मिलने पर उड़ीसा में कार्यरत महिला का पति मंगलवार को घर पहुंचा और शवों से लिपटकर रोया। सिरियारी थानाप्रभारी गीता सिंह ने बताया- हादसा मंगलवार को (ठहडा की ढाणी) गुड़ा चतरा में एक खेत में बने घर में हुआ। यहां लाइट का तार टूट कर गिर गया था, जो लोहे की खिड़की को भी छू रहा था। इससे खिड़की में करंट फैल गया। इस बात की जानकारी परिवार के सदस्यों को नहीं थी। इसी बीच घर में खेल रही डेढ़ साल की मासूम हर्षिता ने खिड़की को छू लिया, जिससे उसे करंट लग गया। ये देख मां मंजू कंवर(27) प%ी बन्ने सिंह रावत राजपूत ने उसे छुड़ाने का प्रयास किया। लेकिन वह करंट की चपेट में आ गई। दोनों को करंट से तड़पता देखकर मंजू के ससुर कानसिंह(70) पुत्र हजारी सिंह रावत राजपूत ने बचाने का प्रयास किया। लेकिन वह भी गंभीर रूप से झुलस गए। जिसे इलाज के लिए देवगढ़ हॉस्पिटल रेफर किया गया है। पुलिस ने बताया- हादसे में दोनों मां और बेटी ने की मौत हो गई है और दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने बताया कि मृतका मंजू अपने ससुर और बेटी के साथ रहती थी। पति बन्ने सिंह कामकाज के सिलसिले में उड़ीसा रहता है। वह वहां मजदूरी करता है। पुलिस ने हादसे की जानकारी उसे दी है, जिसके बाद वह मंगलवार को घर पहुंचा। अपनी डेढ़ साल की बेटी हर्षिता और प%ी मंजू की बॉडी देख बन्ने सिंह के सब्र का बांध फूट पड़ा। बेटी के शव से लिपटकर वह जोर-जोर से रोने लगा। बोला कि मुझे पता होता कि मेरे पीछे ऐसा हादसा हो जाएगा तो मैं इन्हें अपने साथ उड़ीसा ले जाता और गांव नहीं छोड़ता। वहां मौजूद रिश्तेदारों ने उसे संभाला। मृतका मंजू के जेठ किशन सिंह ने बताया कि गुड़ा चतरा गांव में ही रहने वाले उनके काका के लड़के की शादी 18 अप्रैल और लड़की की शादी 23 अप्रैल को हुई थी। शादी को अभी ज्यादा दिन भी नहीं हुए थे। पूरे परिवार में खुशी का माहौल था। उनका भाई बन्ने सिंह भी शादी अटैंड कर कुछ दिन पहले ही उड़ीसा गया था। लेकिन इस हादसे ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया।

पाली में लिफ्ट के बहाने बुजुर्ग महिला से लूट, फौजी और पुलिसकर्मी बनकर गाड़ी में बैठाया

पाली

पाली में दिनदहाड़े फौजी और पुलिसकर्मी बनकर लूट करने का मामला सामने आया है। कार सवार आरोपियों ने बुजुर्ग महिला को लिफ्ट देने के बहाने गाड़ी में बैठाया। फिर डर दिखाया कि गहने चोरी हुए है, इसलिए अपने गहने दिए गए लिफाफे डाल दें। हालांकि जब महिला ने गहने लिफाफे में डाल दिए तो उसे दूसरा लिफाफा थमाकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश में नाकाबंदी की जा रही है। कोतवाल किशोर सिंह भाटी ने बताया- पाली जिले के पिलोवनी निवासी 60 साल की वृद्धा कृष्णा देवी मंगलवार को अपने पीहर जैतारण जाने के लिए घर से निकली। मंगलवार दोपहर को वह सोमेसर चौकी के पास बस का इंतजार कर रही थी। इतने में एक कार आकर रूकी। कार सवार लोगों ने कहा कि वे पाली जा रहे है और बस का किराया ही लेंगे। इस पर वहां खड़ा एक युवक कार में बैठ गया और खुद को फौजी बताते हुए महिला को भी बैठने के लिए कहा, जिससे वह भी कार में बैठ गई। इसके बाद बीच रास्ते में कार में सवार एक युवक ने वृद्धा से कहा की एक महिला के गहने चोरी हुए है, इसलिए आप के गहने भी चेक करने है। आप लिफाफे में गहने डाल दीजिए। जब महिला ने इनकार किया तो थाने ले जाने का डर

बताया। इसके बाद वृद्धा ने उनके दिए लिफाफे में अपने सोने के गहने डाल दिए और आरोपियों को दे दिया। टेवाली गांव आने पर आरोपियों ने वृद्धा को लिफाफा वापस दिया और बोले की उन्हें थाने वापस जाना हैं और युवक को भी साथ ले जा रहे हैं, इसलिए आप पाली जाने के लिए दूसरी कोई बस पकड़ लो। महिला टेवाली से दूसरी गाड़ी पकड़कर पाली पहुंची। पाली बस स्टैंड पहुंचने पर उसने बदमाशों द्वारा दिया लिफाफा खोला तो उसमें सोने के गहनों की जगह लाइट के तार निकले। इसके बाद महिला बस स्टैंड चौकी पहुंची और एएसआई सम्पतराज को घटना की जानकारी दी।

राजस्थान में हरियाणा के गैंगस्टर ने खुद को गोली मारी, पुलिस से घिरता देख कनपटी पर फायर किया, मौत

खेतड़ी

झुंझुनूं जिले के सिंघाना में एक बदमाश संजय उर्फ भेड़िया ने पुलिस से घिरता देखकर खुद को गोली मार ली। हरियाणा पुलिस बदमाश का पीछा करते हुए राजस्थान के खानपुर (झुंझुनूं) के पास पहुंची थी। जहां उसने चारों तरफ से घिरते देखकर अपनी कनपटी पर पिस्टल से फायर कर लिया। घटना के बाद पुलिस बदमाश को सिंघाना के सरकारी अस्पताल में लेकर पहुंची, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बदमाश संजय हरियाणा के चरखी दादरी का रहने वाला था। उस पर 5 हजार रुपए का इनाम भी था। बदमाश के खिलाफ लूट, अपहरण सहित 20 से ज्यादा मामले दर्ज थे। सिंघाना थाने के एएसआई विद्याधर शर्मा ने बताया कि ?हरियाणा की एसटीएफ टीम को सूचना मिली थी कि संजय सिंघाना थाना क्षेत्र के मेहराणा के पास छिपा हुआ है तो टीम ने

वहां दबिश दी थी। मंगलवार सुबह करीब 11:30 बजे बहादुरगढ़ एसटीएफ ने बूटीनाथ आश्रम के पास संजय को घेर लिया। खुद को घिरा देख संजय ने हवाई फायरिंग की और खेतों में भागने लगा। पुलिस ने करीब आधा किलोमीटर खेतों में संजय का पीछा किया। इस बीच संजय खेतों की ताराबंदी पार कर दूसरी तरफ चला गया। कुछ मीटर दूर जाकर पुलिस ने संजय को चारों तरफ से घेर लिया। बचने के लिए संजय ने पुलिस की ओर जमीन पर फायर भी किया, लेकिन उसे बचने का रास्ता नहीं मिला। इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे उसने खुद की कनपटी पर गोली मार ली। भेड़िया के नाम से कुख्यात गैंगस्टर संजय हरियाणा के चरखी दादरी जिले में क्रेशर ठेकेदारों से रंगदारी, लूट और किडनैपिंग करता था। बदमाश पर हरियाणा के बहादुरगढ़ और महेंद्रगढ़ जिले में भी कई मामले दर्ज थे। साल 2020 में उसने क्रेशर कांट्रैक्टर पर फायरिंग की थी। हरियाणा पु?लिस पिछले कुछ दिनों से संजय के पीछे लगी हुई थी। जब उसे इसकी भनक लगी तो वह हरियाणा छोड़कर दिल्ली आ गया था। इसके कुछ समय बाद वह राजस्थान आ गया था। झुंझुनूं जिले में अलग-अलग जगह फरारी काटने के बाद वह आश्रम में छिपा बैठा था। 10 अक्टूबर 2020 की सुबह संजय उर्फ भेड़िया ने अपने दोस्त रोहित कलियाणा के साथ मिलकर क्रेशर ठेकेदार सोमबीर घसौला की अनाज मंडी स्थित दुकान और मकान पर फायरिंग कर दी थी। रोहित बाइक चला रहा था और भेडिया ने फायरिंग की थी। वहीं इस फायरिंग में मास्टरमाइंड लोहारू निवासी प्रक्षित और भिवानी निवासी विकास उर्फ पोपट थे। पुलिस तीनों आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इस मामले में केवल संजय भेड़िया ही फरार चल रहा था। संजय आईटीआई पास था। पांच भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था।

चिंतन

चुनाव प्रचार भाषणों में न टूटे भाषा की मर्यादा

चार चरण के चुनाव होने तक चुनाव प्रचार के दौरान नेताओं के संबोधन की भाषा में काफी गिरावट आई है। नेताओं ने विरोधी पर प्रहार के दौरान शब्दों की मार्यादाओं को अनेक बार लांघा है। चुनाव वचारिक लड़ाई है, सभी दलों की आकांक्षा सरकार में आकर देश सेवा ही है, इसके बावजूद देश के अपने ही विरोधी नेताओं के लिए टपोरी भाषा, अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल आदि चिंता पैदा करती है। आचार संहिता लागू होने के बाद से यह दूसरी बार है कि केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने नेताओं से मर्यादित भाषा के प्रयोग की अपील की है। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को कहा है कि लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं को ऐसे 'अच्छे उदाहरण' पेश करने चाहिए, जिनकी उनसे उम्मीद की जाती है। आयोग ने कहा है कि देश के सामाजिक ताने-बाने को नुकसान नहीं पहुंचे, इसके लिए चुनाव के शेष चरणों में अपने चुनावी भाषणों को सही करना प्राथमिक रूप से नेताओं की जिम्मेदारी है। 16 मार्च को लोकसभा चुनावों की घोषणा के बाद से देश भर में आदर्श आचार संहिता लागू है। यूं तो आयोग ने दावा किया है कि उसने आचार संहिता उल्लंघन के 90 फीसदी शिकायतों का निपटारा कर दिया है और कांग्रेस एवं भाजपा की कुछ शिकायतों को छोड़कर पार्टियों की ओर से कोई बड़ी शिकायत लंबित नहीं है। चुनाव के दौरान किस तरह की भाषा बोली जाय और किस तरह के शब्दों के प्रयोग नहीं किए जाएं, इसको लेकर निर्वाचन आयोग की सख्त गाइडलाइन है। सुप्रीम कोर्ट ने भी विभाजनकारी, अमर्यादित भाषा इस्तेमाल नहीं करने की सख्त हिदायत पूर्व में दी हुई है। आयोग के मुताबिक, आदर्श आचार संहिता लागू हुए करीब दो महीने पूरे होने के बाद निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर विभिन्न राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों का प्रचार मुख्यतः हिंसा मुक्त, कम शोरगुल व कम कोलाहल वाला और प्रलोभन से मुक्त रहा है। चुनाव संबोधन के दौरान, विभाजनकारी बातें, प्रलोभन देना, विरोधी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करना, नेताओं पर व्यक्ति प्रहार करना, सामाजिक तानेबाने के खिलाफ बोलना, जाति, समूह य संप्रदाय के खिलाफ बोलना आदि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। आदर्श आचार संहिता की पालना का दायित्व केंद्रीय निर्वाचन आयोग का है, इसलिए उसे नजीर पेश करना चाहिए। सबसे चिंता की बात है कि कि केंद्रीय निर्वाचन आयोग किसी भी दल के बड़े नेता, जो आचार संहिता का उल्लंघन करते हैं, उनके खिलाफ सख्त एक्शन लेकर कोई नया उदाहरण पेश नहीं करता है। केवल हिदायत देने, चेताने और नसीहत देने से बात नहीं बन रही है। आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन चुनाव दर चुनाव बढ़ता ही जा रहा है। चुनावी भाषणों के दौरान राजनीतिक दलों के बीच शाब्दिक फिजा इतनी खराब हो जाती है कि वैचारिक मतभेद मनभेद और वैमनष्यता में बदल जाते हैं, यह ठीक नहीं है। सभी दल देश के हैं, नेता देश के हैं, लक्ष्य देश सेवा है, लोकतंत्र में पक्ष व विपक्ष दोनों महत्वपूर्ण अंग हैं, ऐसे में नेताओं को अपने विरोधियों के लिए मर्यादित, संस्कारित भाषा का इस्तेमाल ही करना चाहिए। कांग्रेस को देखना चाहिए कि पूर्व में उसके नेताओं ने पीएम नरेन्द्र मोदी समेत अन्य भाजपा नेताओं के लिए कितनी बार अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया है? चुनाव आयोग अगर शुरू से सख्त कार्रवाई करती रहती तो, भाषा की मर्यादा इतनी नहीं गिरती। पक्ष व विपक्ष दोनों ओर के नेता अपने संबोधनों में भाषा की मर्यादा व गरिमा बनाए रखें।

दो चेहरों वाली अदालत

करवट

कुमार प्रशांत

मैं परेशान हूं कि देश में एक न्यायपालिका है लेकिन उसके दो चेहरे हैं। किंवदंति है कि रावण के कई सर थे- दशानन; लेकिन यह नहीं कहा जाता है कि वे सारे सर भिन्न-भिन्न बातें बोलते थे। सर भले कई हों, वे सब एक ही तरह से सोचते-करते हों तभी व्यवस्था की गाड़ी चल सकती है। ऐसा न हो तो कोई भी व्यवस्था नहीं चल सकती है - खास कर न्यायपालिका ! यहां दो तरह की मनोभूमिका बेहद चिंताजनक व खतरनाक होती है।

हमारी न्यायपालिका का एक चेहरा सर्वोच्च न्यायालय की उस खंडपीठ का है जिसने कुल जमा 50 से अधिक दिनों तक जेल में रहने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल से रिहा कर दिया, कुल जमा 22 दिनों के लिए, 2 जून 2024 को उन्हें वापस जेल लौट जाना होगा। सर्वोच्च न्यायालय की संजीव खन्ना-दीपांकर दत्ता खंडपीठ ने जो आदेश दिया है उसके मुताबिक केजरीवाल इस बीच मुख्यमंत्री की हैसियत से कोई भी काम नहीं कर सकेंगे, दफ्तर भी नहीं जा सकेंगे, फाइलें भी नहीं निबटा सकेंगे लेकिन वे अपनी पार्टी व अपने गठबंधन का देशव्यापी चुनाव प्रचार कर सकेंगे। सारे सरकारी प्रशासन ने व अब मोदी-तंत्र बन चुके ईडी, इंकमटैक्स जैसे संस्थानों ने हर तरह का तर्क आजमाया ताकि केजरीवाल को चुनाव खत्म होने तक जमानत न मिल सके लेकिन अदालत ने उनके सारे तर्कों को खारिज करते हुए केजरीवाल को सशर्त जमानत दे दी। कहा : " अरविंद केजरीवाल के बारे में आरोपियों ने यह ठीक ही ध्यान दिलाया है कि अक्टूबर 2023 से गिरफ्तारी तक भेजी ईडी की 9 नोटिसों-समन की उन्होंने उपेक्षा की. उनके मामले में यह प्रतिकूल तथ्य है लेकिन इस मामले में दूसरे भी कई तथ्य ऐसे हैं कि जिन पर ध्यान देना जरूरी है। आरोपी दिल्ली का मुख्यमंत्री है, एक राष्ट्रीय पार्टी का नेता है। इसमें शक नहीं कि उस पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं लेकिन अभी तक वे सिद्ध नहीं हुए हैं। उनका पहले का कोई आपराधिक रिकार्ड नहीं है। वे समाज पर किसी तरह का खतरा नहीं हैं यह कहने की जरूरत नहीं है कि लोकसभा का चुनाव लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण तत्व है जो अगले पांच साल के लिए देश की सरकार का फैसला करेगा। इसलिए हम आरोपियों के इस तर्क को खारिज करते हैं कि केजरीवाल को अंतरिम जमानत देना सामान्य नागरिकों की तुलना में राजनेताओं का विशेष सुविधाप्राप्त वर्ग बनाना हो जाएगा।' इस तर्क के साथ सर्वोच्च न्यायालय ने सत्तापक्ष की सारी कोशिशों को धता बताते हुए केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे दी।

जैसा कि अदालत ने कहा है कि अंतरिम जमानत का मतलब केजरीवाल को अपराधमुक्त घोषित करना नहीं है, ठीक उसी तरह मैं भी यह साफ कर दूं कि मेरे इस लेख का मतलब कोई ऐसा न निकाले कि मैं केजरीवाल की सरकारी व निजी नीतियों का समर्थन कर रहा हूं। मैं कहना यह चाह रहा हूं कि खन्ना-दत्ता पीठ ने जिस तरह इस मामले को सरकारी धौंस व कानून की मृत बारीकियों से बाहर निकल कर समझने व समझाने की कोशिश की, उससे सर्वोच्च न्यायालय का कद बड़ा हुआ है व लोकतंत्र के पांव मजबूत हुए हैं।

लेकिन यही न्यायपालिका जब पुणे में विशेष सुनवाई के लिए बैठती है, तब उसकी चेतना व समझ को लकवा क्यों मार जाता है ? जिस दिन केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने का फैसला सामने आया, उसी 10 मई को 11 साल पुराने डॉ. नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड का फैसला भी सामने आया। यहां अदालत मामले की नजाकत को समझने में पूरी तरह विफल रही। समाज में फैली अंधश्रद्धा न्याय की किसी भी अवधारणा को सदियों से विफल करती हुई, अट्टहास करती आ रही है। हमारे सामाजिक जागरण व बौद्धिक सजगता का जैसा क्रूर मजाक अंधविश्वास फैलाने तथा उसकी आड़ में अपना स्वार्थ सिद्ध करने वालों ने किया है, करते आ रहे हैं, उसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती है। यह इंसानी समझ को धता ही नहीं बताती है, बल्कि इंसानी कमजोरियों को निशाने पर ले कर समाज का मनोबल तोड़ देती है।

डॉ. दाभोलकर व उनकी अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने इसके खिलाफ मोर्चा खोला था। बौद्धिक-सांस्कृतिक-शैक्षणिक से ले कर प्रत्यक्ष प्रतिरोध का हर मंच उन्होंने इस्तेमाल किया। ऐसे एक आदमी की हत्या सनातन संस्था नाम के एक प्रतिगामी गंठजोड़ ने दिन-दहाड़े कर दी, तो यह एक व्यक्ति की ही नहीं, उस सामूहिक प्रयास की हत्या थी जो समाज को अंधविश्वासों के प्रति जाग्रत कर रहा था। 11 साल से पुलिस व अदालत अपराधी को पकड़ने व सामने लाने में लगी थी लेकिन दोनों इस कदर विफल रहते हैं कि विशेष जज पी.पी. जाधव कहते हैं : ' हमारे पास शंका करने के पर्याप्त कारण थे लेकिन पुलिस इनके खिलाफ पर्याप्त सबूत जुटाने में विफल रही।

अब न्यायपालिका को व समाज को सोचना यह चाहिए कि जिस 'व्यक्ति या संस्थान पर शंका करने के पर्याप्त सबूत थे', उसे 11 साल की कोशिश के बाद भी आप अपराधी सिद्ध नहीं कर पाए तो अदालत व पुलिस किस मर्ज की दवा हैं? अदालत व जज साहबान का एक ही, जी हां, एक ही काम है कि वे सच को खोज निकालें तथा अपराधी को बचने नहीं दें। आप देख भी रहे हैं, समझ भी रहे हैं, मान भी रहे हैं कि जो छूट रहे हैं वे हत्या जैसे जघन्य अपराध के अपराधी तो हैं, लेकिन जांच एजेंसियां, पुलिस आदि सही तरीके से जांच नहीं कर रही हैं। तो फिर अदालत क्या करेगी? मैं समझता हूं कि अदालत और जज साहबान की पेशेगत नैतिकता व संवैधानिक दायित्व कहता है कि उन्हें जांच एजेंसियों को कड़ा निर्देश देना चाहिए कि वे जांच में क्या-क्या ऐसा छोड़ रहे हैं जिससे मामला कमजोर पड़ रहा है, और उन्हें किस दिशा में जांच पूरी कर, नए साक्ष्य के साथ तुरंत अदालत के सामने उपस्थित होना चाहिए। जब तक ऐसा नहीं होता है तब तक अदालत न किसी को मुक्त करेगी, न हल्की सजा देगी बल्कि मुकदमा लंबित रहेगा तथा पुलिस व सरकार पर अदालत का दवाब बना रहेगा। पुणे की इस अदालत ने किस आधार पर मुकदमा बंद कर दिया या अपराधियों के लिए ऊपर की अदालत तक जाने का रास्ता बना दिया? ऊपरी अदालतों में तो मामलों की और भी धकमपेल है, तो मामला वहां भेज कर आप अपनी जिम्मेवारियों से कंधा झटकने भर का काम कर रहे हैं जो आपकी अयोग्यता सिद्ध करता है।

न्यायपालिका याद करे, और हमेशा याद रखे कि स्वतंत्रता के बाद दो-दो बार ऐसा हुआ है कि अपनी तटस्थता व साहस खो देने के कारण न्यायपालिका ने सारे राष्ट्र को शर्मिंदा किया है। पहली थी महात्मा गांधी की हत्या। उस मुकदमे ने हमारी न्यायपालिका के चेहरे पर ऐसी कालिख मली है जो कभी छूटेगी नहीं। नाथूराम गोडसे से ले कर सावरकर तक सभी उस हत्या के प्रमाणसहित सीधे गुनहगार थे। पुलिस व जांच एजेंसियां राजनीतिक दवाब व भय से तथा अपनी पक्षधरता से उस तरह जांच नहीं कर रही थीं जिस तरह करने की जरूरत थी. तब जज साहब क्या कर रहे थे? तब सरकार क्या कर रही थी? क्या अदालत सावधान थी कि वह किसी भी स्तर पर अपराधी को बचने का मौका नहीं देगी ? क्या सरकार सावधान व प्रतिबद्ध थी कि वह अपनी मशीनरी को किसी भी स्तर पर कोताही बरतने नहीं देगी? गांधी-हत्या पर लिखी गई प्रायः हर किताब में अदालत के व सरकार के रवैये पर गहरा क्षोभ दर्ज है तो इसी कारण से। गांधी से दाभोलकर तक की हत्या में हत्यारे इतनी लंबी दौड़ लगा चुके हैं लेकिन अदालत आज तक बैठी है कि न्याय के लिए जरूरी प्रमाण उसके पास चलकर आएंगे?

ऐसा ही तब भी हुआ जब लोकतंत्र की समझ व उसके प्रति प्रतिबद्धता की परख करने आपातकाल देश के सामने आया। जयप्रकाश नारायण ने मामला आसान बना दिया था - यह लोक बनाम तंत्र की लड़ाई है। उन्होंने पक्ष-विपक्ष की राजनीति से एकदम अलग, एक नया ही विमर्श देश में खड़ा कर दिया था : लोक की व्यापक असहमति को कुचलने का अधिकार किसी भी तंत्र के पास नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा -लोकतंत्र किसी सरकार का मामला नहीं है। लेकिन उस नाजुक कालखंड में हमारी न्यायपालिका निरक्षर भट्टाचार्य साबित हुई. वह तो जिस संविधान की रक्षा की शपथ लेती है, उसकी ही भक्षक बन गई। उसने तो 'कानूनी संप्रभु' को 'संवैधानिक संप्रभु' का आका घोषित कर दिया। उस कलंक को धोने में न्यायपालिका को वैसी हिम्मत व दूरदृष्टि बार-बार दिखानी होगी जैसी केजरीवाल की अंतरिम जमानत के प्रश्न पर खन्ना-दत्ता की खंडपीठ ने दिखाई। न्यायपालिका सतत संविधान की कसौटी पर होती है और लोक हमेशा ही संविधान का संरक्षण चाहता है, यह लोकतांत्रिक दायित्व संविधान ने न्यायपालिका की गांठ में बांध दिया है। यह गांठ कमजोर होगी या भुला दी जाएगी तो न्यायपालिका जितने भी चेहरे लगा ले, वह स्याह ही होता जाएगा।

(लेखक के ये उनके अपने विचार हैं।)

सारा संसार

स्विट्ज़रलैंड पर्यटन में देखने वाली खूबसूरत जगह में शामिल जिनेवा भी है जिसे स्विट्ज़रलैंड का सबसे शांत शहर माना जाता है। स्विट्ज़रलैंड चॉकलेट्स और घड़ियों के लिए बहुत फेमस देश है और जिनेवा इन व्यवसाय का केंद्र है।

जंगल की आग

रोहित कौशिक

वन संपदा बचाना प्राथमिकता हो

इस समय उत्तराखंड के अनेक भागों से जंगलों में आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। आग के कारण वन सम्पदा को काफी नुकसान हो रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कभी प्राकृतिक कारणों से जंगलों में आग लगती है तो कभी निहित स्वार्थों के कारण जानबूझकर जंगलों में आग लगा दी जाती है। जब तापमान बढ़ता है तो जंगलों में आग लगने की संभावना भी बढ़ जाती है। कुछ समय पहले काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर द्वारा जारी रिपोर्ट 'मैनेजिंग फारेस्ट फायर इन चेजिंग क्लाइमेट' में बताया गया था कि भारत के 30 प्रतिशत से ज्यादा जिलों के जंगलों में भीषण आग लगने का खतरा मौजूद है। इस अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों के दौरान देश के जंगलों में आग लगने की घटनाएं 10 गुना से ज्यादा बढ़ गई हैं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, ओड़िशा और महाराष्ट्र के जंगलों पर भीषण आग लगने की संभावना के कारण सबसे ज्यादा खतरा है। रिपोर्ट में यह सुझाव दिया गया है कि राज्य सरकारों या राज्य के वन विभागों को सरकारी स्कूलों और सामुदायिक हाल जैसे सार्वजनिक भवनों को ऐसी आपदाओं के लिए तैयार करना चाहिए। इन भवनों में स्वच्छ हवा के लिए एयर फिल्टर जैसे उपायों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए ताकि जंगलों में आग लगने के दौरान आग और धुएं से बचा जा सके। इसके साथ ही जंगल में आग रोकने और उससे लड़ने के लिए एक विशेष रूप से प्रशिक्षित कैडर तैयार करना चाहिए। सरकारों को जंगलों में आग लगने की घटनाओं के लिए रीयल-टाइम अलर्ट सिस्टम भी विकसित करना चाहिए। इस अध्ययन में बताया गया है कि पिछले दो दशकों में जंगल में लगने वाली आग के 89 प्रतिशत से ज्यादा मामले उन जिलों में दर्ज किए गए हैं, जो या तो सूखे से प्रभावित हैं या फिर वहां मौसम में परिवर्तन देखा गया है। जंगल में आग लगने की अत्यधिक घटनाओं वाले कुछ ऐसे जिले हैं, जहां पहले बाढ़ का खतरा होता था लेकिन अब वहां सूखे की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है। पहाड़ों के जंगलों में आग लगने की घटनाएं कई सवाल खड़े करती हैं। ऐसी घटनाओं के लिए किसी एक कारक को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि पहाड़ों में ऐसी घटनाओं के इतिहास को देखते हुए भी कोई ठोस योजना नहीं बनाई जाती है। एक अध्ययन के अनुसार पूर्व एशिया, दक्षिण एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और समुद्र तटीय क्षेत्रों में जंगलों में आग लगने की समस्या बढ़ती जा रही हैं। इस आग से लोगों का स्वास्थ्य, पर्यटन अर्थव्यवस्था और परिवहन उद्योग गम्भीर रूप से प्रभावित हो रहा है। गौरतलब है कि दक्षिण एशिया में आग से नष्ट होने वाले 90 फीसदी जंगल भारत के हैं। पहाड़ों पर चीड़ के वृक्ष आग जल्दी पकड़ते हैं। दरअसल पहाड़ों की भौगोलिक स्थिति के कारण आग या फिर किसी अन्य आपदा से जूझना आसान नहीं है। गौरतलब है कि पिछले दिनों नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने जंगलों की आग पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि पर्यावरण मंत्रालय और अन्य प्राधिकरण वन क्षेत्र में आग लगने की घटना को हल्के में लेते हैं। अब समय आ गया है कि हम जंगलों की आग से निपटने के लिए ठोस योजनाएं बनाएं। आग से निपटने के फौरी उपाय तात्कालिक रूप से प्रभावी हो सकते हैं लेकिन दीर्घकालिक दुष्प्रभावों को कम नहीं कर सकते। बेहतर भविष्य के लिए वन सम्पदा बचाना हमारी प्राथमिकताओं में होना चाहिए। हमें समझना होगा कि जंगलों की आग का खामियाजा हर हाल में हमें ही भुगतना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पूर्ण हृदय से किया गया प्रयास विफल नहीं होता

संकलित

दर्शन

ईश्वर का साक्षात्कार करना जितना आसान है, उतना ही यह कठिन भी है। इसके लिए अत्यधिक प्रयास करने के साथ-साथ, ईश्वर की कृपा का होना भी आवश्यक है। सांसारिक अभिलाषाओं से दूर रहते हुए, प्रभु के प्रति विश्वास और दृढ़ निश्चय के साथ पूर्ण हृदय से प्रयास करने वाला भक्त कभी असफल नहीं होता। श्वर साक्षात्कार केवल योगी के अत्यधिक प्रयास और ईश्वर की कृपा से प्राप्त होता है। यद्यपि ईश्वर तक नियम का पालन करने से भी पहुंचा जा सकता है। तथापि, हृदयों का अन्वेषक होने के कारण वे अपनी कृपा प्रदान करने से पहले आश्वस्त हो जाना चाहते हैं कि भक्त वास्तव में उन्हें चाहता है। जो संपूर्ण हृदय से उन्हें नहीं चाहता है। उस भक्त को प्रभु अंतिम प्रबोधन नहीं देते, चाहे वह योग के विज्ञान में कितना भी निपुण हो। ईश्वर को प्रसन्न करना एकदम बहुत आसान एवं बहुत कठिन है। परीक्षणों की घड़ी में भी वे अपने भक्तों के साथ क्रीड़ा कर रहे होते हैं, और वे उनकी हर समय परीक्षा लेते हैं। मूर्खता में पूरे दिन को गंवा देना कितना आसान है, और उपयोगी कार्यों एवं विचारों से दिन को भरना कितना कठिन है! फिर भी ईश्वर की इसमें कोई विशेष रुचि नहीं है कि हम क्या कर रहे हैं, जितनी इसमें है कि हमारा मन कहां है। प्रत्येक व्यक्ति की कठिनाई भिन्न है, परंतु ईश्वर कोई भी बहाना नहीं सुनते। वे चाहते हैं कि भक्त का मन किसी भी प्रकार की कष्टप्रद परिस्थितियों के होते हुए भी, उनमें तल्लीन रहे।

जो होता है अच्छे के लिए होता है

संकलित

प्रेरणा

एक राजा अपने मंत्री के साथ आखेट पर निकले। वन में हिरन को देख राजा ने तीर प्रत्यंचा पर चढ़ाया ही था कि जंगल में से एक सूअर निकला और राजा को धक्का देकर भागा। इस अप्रत्याशित आघात के कारण तीर की नोक से उनकी उंगली कट गई। रक्त बहने लगा और राजा व्याकुल हो उठे। राजा की उंगली से खून बहता देखकर मंत्री बोले- 'राजन! भगवान जो करता है, अच्छे के लिए करता है।/" राजा काफी पीड़ा में थे। मंत्री की बात सुनकर क्रोध से भर उठे। उन्होंने मंत्री को आज्ञा दी कि वो उसी समय उनका साथ छोड़ अन्य राह पकड़ लें। मंत्री ने आदेश को सहर्ष स्वीकार किया और भिन्न दिशा में निकल पड़े। इधर, राजा थोड़ा आगे बढ़े ही थे कि उन्हें जंगल में नरभक्षी कबीले के लोगों ने घेर लिया। वे उन्हें पकड़कर अपने सरदार के पास ले चले। राजा को बलि देने की तैयारी हो ही रही थी कि कबीले के पुजारी ने राजा की कटी उंगली देखकर कहा कि /"इसका तो अंग भंग है, इसकी बलि स्वीकार नहीं हो सकती। राजा को जीवनदान मिला तो उन्हें तुरंत मंत्री की याद आई। सोचने लगे कि मंत्री ठीक कहते थे - भगवान जो करता है, अच्छे के लिए ही करता है। मुझे उनका साथ नहीं छोड़ना चाहिए था। ऐसा सोचते वे आगे बढ़ रहे थे कि उन्हें मंत्री नदी किनारे भजन करते दिखाई पड़े। राजा ने प्रेमपूर्वक मंत्री को गले लगाया और उन्हें सारा घटनाक्रम कह सुनाया। इसके बाद राजा ने उनसे प्रश्न किया- मेरी उंगली कटी, इसमें भगवान ने मेरा भला किया, पर तुम्हें मैंने अपमानित करके भगाया, इससे भला तुम्हारा क्या भला हुआ?

अंतर्मन

आज की पाती

रात में सुरक्षा व्यवस्था

राजधानी में रात की सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे रहती है। रात 12 बजे के बाद सड़कों पर पुलिस नदारद रहती है। ऐसे में अपराधिक तत्वों के हौसले बुलंद हो जाते हैं। रात में अचानक कोई काम से निकल जाए, जो वह भयभीत रहता है। पहले चौक-चौराहों पर पुलिस नजर आ जाती थी। अब न पुलिस दिखते हैं और न ही पुलिस की गाड़ियां। राजधानी में जितनी तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिए, वह कहीं नजर नहीं आती। सुरक्षा अब वीआईपी तक ही सीमित रह गई है।

- विनय कुमार रायपुर

ट्रेंड

शांति की दिशा में काम करें

हम आज गाजा में मानवतावादी कार्यकर्ता और एक अन्य घायल की मृत्यु के बारे में जानकर बहुत दुखी हैं। इस युद्ध की कीमत बहुत से नागरिकों और मानवीय लोगों की जान को चुकानी पड़ी है। युद्धविराम करें और शांति की दिशा में काम करें।

-डॉ टेड्रोस, डब्ल्यूएचओ महानिदेशक

वीरों को भुलाया नहीं जाएगा

जून 1944 में नॉर्मंडी के समुद्र तटों पर उतरने वाले सैनिक अंधेरे में डूबे महाद्वीप के लिए आशा की किरण थे। डी डे 80 से पहले स्मरण की मशाल जलाना सौभाग्य की बात थी। इन वीर दिग्गजों की सेवा को भुलाया नहीं जाएगा।

-ऋषि सुनक, ब्रिटिश पीएम

सांसद को सड़क पर उतारूंगा

जितना आप लोगों ने अपने सांसद को 10 सालों में नहीं देखा उससे कहीं ज्यादा बार 10 दिन में उनके दर्शन करवाऊंगा। आपकी समस्याओं पर आंख मूंदकर आपसे दूर आलीशान बंगले में रहने वाले सांसद को मैं सड़कों पर आपके बीच उतार कर दिखाऊंगा।

-कन्हैया कुमार, कांग्रेस नेता

भारत में स्टार्टअप की बूम

अमेरिका असाधारण स्टार्टअप बूम के दौर में है। स्टार्ट अप की बूम भारत समेत हर जगह है। ट्रैकर की आवश्यकता आरओआई और सतत विकास को बढ़ाने के लिए है।

-किरण मजूमदार शॉ, उद्योगपति

संक्षिप्त खबरें

आइकिया का रेन्स से करार

नई दिल्ली। स्वीडन की फर्नीचर क्षेत्र की खुदरा कंपनी आइकिया ने दिल्ली-एनसीआर में अपने ई-वाणिज्य विस्तार और ग्राहकों तक डिलीवरी सुगम बनाने के लिए लॉजिस्टिक्स कंपनी रेनस के साथ साझेदारी की है। आइकिया ने बयान में कहा, कंपनी ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) क्षेत्र में ग्राहकों के लिए होम डिलीवरी अनुभव को बेहतर बनाने' के लिए रेनस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें कहा गया, इस कदम का मकसद आइकिया के ई-वाणिज्य विस्तार की वृद्धि का समर्थन करना और क्षेत्र में ग्राहकों को तेज डिलीवरी सुनिश्चित करना है।

TVS आईक्यूब के नए प्रोडक्ट

चेन्नई। दोपहिया और तिपहिया वाहन निर्माता टीवीएस मोटर ने अपने उत्पाद खंड का विस्तार करते हुए अपने लोकप्रिय इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस आईक्यूब की एक नई श्रृंखला पेश की है। कंपनी के अनुसार, नई श्रृंखला पेश होने के साथ ही टीवीएस आईक्यूब खंड में उत्पाद अब 94,999 रुपये (एक्स-शोरूम कीमत) की शुरुआती कीमत पर मौजूद हैं। कंपनी ग्राहकों को टीवीएस आईक्यूब एसटी उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। टीवीएस आईक्यूब अब तीन बैटरी विकल्पों 2.2 किलोवॉट, 3.4 किलोवॉट और 5.1 किलोवॉट में उपलब्ध है।

यूरोग्रिप टायर्स स्टोर खुला

चेन्नई। टीवीएस यूरोग्रिप, यूरोग्रिप और टीवीएस टायर्स ब्रांड के तहत दोपहिया तथा तिपहिया टायर बनाने वाली कंपनी टीवीएस श्रीचक्र लिमिटेड ने शहर में अपना पहला 'यूरोग्रिप टायर्स' खुदरा स्टोर खोला है। कंपनी का मकसद अपनी उपस्थिति को मजबूत करना है। बयान के अनुसार, वेलाचेरी स्थित स्टोर 'यूरोग्रिप टायर्स' से कंपनी के टायर और ट्यूब की पूरी श्रृंखला की खुदरा बिक्री की जाएगी। कंपनी ने टीवीएस रेसिंग के साथ साझेदारी की है। ग्राहक यहां से राइडिंग एक्सेसरीज, मर्चेंडाइज समेत अन्य चीजें भी खरीद सकेंगे।

डीएलएफ की बुकिंग घटी

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ की बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर दो प्रतिशत घटकर 14,778 करोड़ रुपये रह गई। इसकी मुख्य वजह जनवरी-मार्च तिमाही में नरमी रही, जिसमें मजबूत आवास मांग के बावजूद कोई बड़ी परियोजना पेश नहीं की गई। वित्त वर्ष 2023-24 में बिक्री बुकिंग 15058 करोड़ रुपये थी। निवेशकों की प्रस्तुति के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में डीएलएफ की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर घटकर 1,462 करोड़ रुपये रह गई।

ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स को लाभ

चेन्नई। ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में एकल शुद्ध लाभ 247.88 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में एकल शुद्ध लाभ 250.71 करोड़ रुपये था। समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का एकल शुद्ध लाभ बढकर 734.51 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2022-23 में यह 665.20 करोड़ रुपये था। कंपनी मुरुगप्पा समूह का हिस्सा है। बयान के अनुसार, कंपनी के निदेशक मंडल ने फरवरी 2024 में दो रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश की घोषणा की।

हिस्सेदारी बढ़ाने की मंजूरी

मुंबई। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने क्वांट म्यूचुअल फंड को आरबीएल बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 9.98 प्रतिशत करने की अनुमति दे दी है। शेयर बाजार को दी सूचना के अनुसार, 10 मई तक क्वांट एमएफ के पास अपनी विभिन्न योजनाओं के जरिए निजी क्षेत्र के ऋणदाता में 4.68 प्रतिशत शेयर पूंजी थी। सूचना के अनुसार, 'आरबीआई ने क्वांट मनी मैनेजर्स लिमिटेड को क्वांट म्यूचुअल फंड की विभिन्न योजनाओं के जरिए आरबीएल बैंक में भुगतान की गई शेयर पूंजी के 9.98 प्रतिशत तक की हिस्सेदारी पाने की मंजूरी दे दी है।'

64 कंपनियां रैनसमवेयर हमलों का शिकार

बीते साल यानी 2023 में लगभग 64 प्रतिशत भारतीय कंपनियां रैनसमवेयर हमलों से प्रभावित हुईं। एक सर्वेक्षण में यह तथ्य सामने आया है। सोफोस की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सालाना आधार पर इन हमलों में गिरावट आई है, लेकिन पीड़ितों पर इनका वास्तविक प्रभाव बढ़ गया है।

हमलावरों ने इन कंपनियों से औसतन 48 लाख अमेरिकी डालर फिरौती के रूप में मांगे, जबकि 62 प्रतिशत मांगें 10 लाख डालर से अधिक थीं। वैश्विक साइबर सुरक्षा समाधान प्रदाता की रिपोर्ट में कहा गया कि दी गई फिरौती औसतन 20 लाख अमेरिकी डालर थी। रैनसमवेयर दुर्भावनापूर्ण साफ्टवेयर या मालवेयर को दर्शाता है। ये कंप्यूटर, नेटवर्क शेयर, बैकअप और सर्वर पर फाइलों को कब्जे में ले लेता है और फिर हमलावर फाइलों को अनलॉक करने के लिए उपयोगकर्ताओं से धन की मांग करता है।

- हालांकि सालाना आधार पर घटे हैं ये हमले
- 2023 में हुए थे 73% कंपनियों पर हमले
- फिरौती में मांगे गए करीब 48 लाख डालर
- 10 लाख डालर से ज्यादा थीं 62% मांगें
- दी गई फिरौती की रकम 20 लाख डालर

सोफोस की 'भारत में रैनसमवेयर की स्थिति 2024' रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय कंपनियों के खिलाफ रैनसमवेयर हमलों की दर पिछले अध्ययन (2022) के 73 प्रतिशत से घटकर 2023 में 64 प्रतिशत रह गई। हालांकि, इस दौरान फिरौती की मांग और दी गई रकम में बढ़ोतरी हुई। सर्वेक्षण में भारत के 500 उत्तरदाताओं को शामिल किया गया।

एलाइड ब्लेंडर्स के आईपीओ को मंजूरी

नई दिल्ली (भाषा)।

ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 1500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी से मंजूरी मिल गई है। बाजार नियामक ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

आईपीओ दस्तावेज के अनुसार, निर्गम में 1,000 करोड़ रुपये के ताजा शेयर और प्रवर्तकों द्वारा 500 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल हैं। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड ने जनवरी में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे।

थोक मुद्रास्फीति 13 माह के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली (भाषा)।

अप्रैल में थोक मुद्रास्फीति लगातार दूसरे महीने बढ़कर 13 महीने के उच्चस्तर 1.26 प्रतिशत पर पहुंच गई है। ईंधन और बिजली के साथ-साथ खाद्य पदार्थों खासकर सब्जियों के दाम बढ़ने से थोक मुद्रास्फीति बढ़ी है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में लगातार दो महीने से बढ़ोतरी जारी है। फरवरी में यह 0.20 प्रतिशत थी जो मार्च में बढ़कर 0.53 प्रतिशत हो गई। अप्रैल, 2023 में यह 0.79 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल में 13 महीने के उच्चतम स्तर पर रही। मार्च, 2023 में यह 1.41 प्रतिशत के उच्चस्तर पर थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को बयान में कहा, 'अप्रैल, 2024 में खाद्य वस्तुओं, बिजली, कच्चे पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस, खाद्य उत्पाद विनिर्माण, अन्य विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादों के दाम बढ़ने से थोक मुद्रास्फीति बढ़ी है।' आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर बढ़कर 7.74 प्रतिशत हो गई, जो मार्च में 6.88 प्रतिशत थी। ईंधन और बिजली में मुद्रास्फीति अप्रैल में 1.38 प्रतिशत रही, जो मार्च में शून्य से 0.77 प्रतिशत नीचे थी। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति वैश्विक जिंस कीमतों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है, जिसमें साल दर साल बढोतरी हो रही है।

नायर ने कहा, 'पिछले कुछ महीनों में कई जिंसों की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई है। इसमें कच्चे तेल की कीमतें भी शामिल हैं जो अप्रैल में बढ़ीं। अभी तक जिंस कीमतों का रुख देखते हुए डब्ल्यूपीआई के मई और जून में दो प्रतिशत के पार जाने का अनुमान है।' इक्रा ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए औसत थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के 3.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। सब्जियों की महंगाई दर 23.60 प्रतिशत रही, जो मार्च में 19.52 प्रतिशत थी। आलू की महंगाई दर मार्च के 52.96 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल में 71.97 प्रतिशत हो गई। प्याज में यह 59.75 प्रतिशत रही जबकि मार्च में यह 56.99 प्रतिशत थी। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने कहा, 'भविष्य में सितंबर/अक्टूबर, 2024 तक खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति में नरमी आने की उम्मीद है क्योंकि कई खरीफ फसलें मंडियों में आना शुरू करेंगी और मौजूदा आपूर्ति की स्थिति सुधरेगी।' आंकड़ों के अनुसार, विनिर्मित उत्पादों में अप्रैल में महंगाई दर में कमी आई और यह 0.42%रही।

लू के कारण चिंताएं बढ़ाएगी खाद्य मुद्रास्फीति : इक्रा

नई दिल्ली (भाषा)।

थोक खाद्य मुद्रास्फीति मई और जून में लू के कारण चिंता की वजह बनी रहेगी। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने मंगलवार को कहा कि जल्द खराब होने वाली वस्तुओं की कीमतें बढ़ने की आशंका है। गौरतलब है कि थोक खाद्य मुद्रास्फीति चार महीने के उच्चतम स्तर पर है। हालांकि, पिछले साल के उच्च आधार का प्रभाव जुलाई और अगस्त में रहेगा, लेकिन बाद के महीनों में मानसून की चाल कीमतों को तय करेगी।

नायर ने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति की दिशा तय करने में मौसम एक महत्वपूर्ण कारक है। उन्होंने कहा कि पिछले साल मानसून बहुत अनुकूल नहीं था और इस साल देश के कुछ हिस्सों में लू चल रही है। उन्होंने बताया कि गर्मी की शुरुआत के साथ, जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं की कीमतें ऊपर की ओर बढ़ रही हैं। नायर ने अनुमान जताया कि अगले दो महीनों में खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ेगी और फिर जैसे ही आधार प्रभाव सहायक हो जाएगा, इस साल जुलाई-अगस्त में अस्थायी रूप से गिरावट देखने को मिल सकती है।

खुदरा वायदा, विकल्प कारोबार में 'बेलगाम तेजी' चिंता का विषय : निर्मला

मुंबई (भाषा)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को आगाह किया कि खुदरा निवेशकों के जोखिम भरे वायदा एवं विकल्प कारोबार में आने और इसमें 'बेलगाम तेजी' भविष्य में परिवारों की जमा-पूंजी के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती हैं।

उन्होंने यहां शेयर बाजार बीएसई में एक कार्यक्रम में कहा, 'वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) खंड में खुदरा कारोबार में कोई भी बेलगाम तेजी न केवल बाजार के लिए बल्कि निवेशकों की भावनाओं और परिवार के स्तर पर जमा-पूंजी को लेकर भी आने वाले समय में समस्याएं पैदा कर सकती है।' सीतारमण ने कहा, 'पारिवारिक बचत में एक पीढीगत बदलाव हुआ है। हम उसे सुरक्षित रखना चाहते हैं।'

सेबी के एक अध्ययन से पता चला है कि 10 में से नौ खुदरा निवेशकों को वायदा और विकल्प कारोबार में नुकसान होता है। वित्त मंत्री ने बीएसई से कड़े अनुपालन और मजबूत नियामकीय मानकों के जरिये निवेशकों का भरोसा बढाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ मिलकर काम करने की भी अपील की।

सरकारी बैंकों की भरी झोली

- इन बैंकों का लाभ 35 फीसद बढ़ा
- एक लाख करोड़ से ज्यादा मुनाफा

नई दिल्ली (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का संचयी लाभ वित्त वर्ष 2023-24 में 35 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.4 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया। आंकड़ों के अनुसार, 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने 2022-23 में कुल 1,04,649 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

एक्सचेंज पर मौजूद आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में अर्जित 1,41,203 करोड़ रुपये के कुल लाभ में से भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का कुल मुनाफे में 40 प्रतिशत से अधिक का योगदान रहा। एसबीआई ने पिछले वित्त वर्ष 2022-23 (50,232 करोड़ रुपये) से 22 प्रतिशत अधिक ज्यादा 61,077 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। पंजाब नेशनल बैंक का शुद्ध लाभ सबसे अधिक 228 प्रतिशत बढ़कर 8,245 करोड़ रुपये रहा। इसके बाद यूनियन बैंक आफ इंडिया का 62 प्रतिशत वृद्धि के साथ 13,649 करोड़ रुपये और सेंट्रल बैंक आफ इंडिया का 61 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ 2,549 करोड़ रुपये मुनाफा रहा।

पीएसबी का मुनाफा

एसबीआई	₹61077 करोड़
बीओबी	₹17788 करोड़
केनरा बैंक	₹14554 करोड़
यूबीआई	₹13649 करोड़
पीएनबी	₹8245 करोड़
इंडिया बैंक	₹8063 करोड़
बीओआई	₹6318 करोड़
बीओएम	₹4055 करोड़
सीबीआई	₹2549 करोड़
पीएंडएसबी	₹595 करोड़

बैंक आफ इंडिया ने 57 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6,318 करोड़ रुपये, बैंक आफ महाराष्ट्र ने 56 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,055 करोड़ रुपये और चेन्नई स्थित इंडिया बैंक ने 53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,063 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। गत वित्त वर्ष में सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों में से केवल पंजाब एंड सिंध बैंक के लाभ में गिरावट दर्ज की गई।

पंजाब एंड सिंध बैंक का वार्षिक शुद्ध लाभ 55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 595 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ऑफ बड़ौदा (17,788 करोड़ रुपये) और केनरा बैंक (14,554 करोड़ रुपये) ने 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का वार्षिक लाभ दर्ज किया।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री रिकार्ड स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली (भाषा)। भारत में यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग के दम पर अप्रैल में यात्री वाहनों की थोक बिक्री रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, यात्री वाहनों की थोक बिक्री अप्रैल में सालाना आधार पर 1.3 प्रतिशत बढ़कर 3,35,629 इकाई हो गई। अप्रैल, 2023 में यह 3,31,278 इकाई थी।

यूटिलिटी वाहनों की बिक्री पिछले महीने 1,79,329 इकाई रही, जो अप्रैल, 2023 की 1,48,005 इकाई से 21 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, यात्री कारों की बिक्री 23 प्रतिशत घटकर 96,357 इकाई रह गई, जो अप्रैल, 2023 में 1,25,758 इकाई थी। पिछले महीने वैन की बिक्री 15 प्रतिशत बढकर 12,060 इकाई हो गई, जो अप्रैल, 2023 में 10,508 इकाई थी। आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 31 प्रतिशत बढ़कर 17,51,393 इकाई हो गई, जबकि अप्रैल, 2023 में यह 13,38,588 इकाई थी।

मोटरसाइकिल बिक्री 34 प्रतिशत बढ़कर 11,28,192 इकाई रही जो अप्रैल, 2023 में 8,39,274 इकाई थी। स्कूटर की थोक बिक्री सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 5,81,277 इकाई हो गई जबकि पिछले साल अप्रैल में यह 4,64,389 इकाई थी। तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री पिछले महीने 14.5 प्रतिशत बढ़कर 49,116 इकाई हो गई, जबकि अप्रैल 2023 में यह 42,885 इकाई थी। सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की शुरुआत मोटर वाहन उद्योग के लिए काफी अच्छी रही है। सभी खंडों ने अप्रैल, 2023 की तुलना में अप्रैल, 2024 में वृद्धि दर्ज की है।

उन्होंने कहा, 'मानसून में सामान्य से अधिक बारिश, चुनाव के बाद नीति की निरंतरता और विनिर्माण व बुनियादी ढांचे पर सरकार का जोर समग्र आर्थिक वृद्धि को गति देगा। इससे मोटर वाहन क्षेत्र की वृद्धि जारी रखने में मदद मिलेगी।'

वोटरों को रेस्तरां में डेमोक्रोसी डिस्काउंट

नई दिल्ली (भाषा)। मुंबई में कई रेस्तरांओं ने स्थानीय मतदाताओं को 20 मई को भोजन के कुल बिल पर 20 प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की। नेशनल रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) की मुंबई इकाई ने बयान में कहा, 'डेमोक्रेसी डिस्काउंट' पहल नागरिकों को वोट डालने के लिए प्रोत्साहित करने का जरिया है। एनआरएआई की मुंबई इकाई की प्रमुख रेचल गोयनका ने बयान में कहा, 'शहर के रूप में मुंबई में हमेशा एक अच्छी समुदायिक भावना रही है। मैं इस बात से काफी खुश हूं कि एनआरएआई की मुंबई इकाई के तहत हमारे पास कई शानदार ब्रांड हैं।' इस पहल के तहत रेस्तरां में खाना खाने आने वाले उन लोगों को कुल बिल मूल्य पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी, जो मुंबई के निवासी हैं। लोगों को अपनी उंगली पर वोट डालने की पहचान स्याही का निशान दिखाना होगा।

भारत का पाम तेल आयात 34 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली (भाषा)।

सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक कीमतों में गिरावट के कारण अप्रैल में भारत का पाम तेल आयात सालाना आधार पर 34.11 प्रतिशत बढ़कर 6,84,000 टन पर पहुंच गया है।

एसईए ने बयान में कहा कि अप्रैल में भारत के कुल 13,04,409 टन खाद्य तेल आयात में पाम तेल की हिस्सेदारी 52 प्रतिशत थी, जिसमें सूरजमुखी और सोयाबीन तेल का आयात 6,20,315 टन था। इसमें कहा गया है कि गैर-खाद्य तेलों सहित कुल वनस्पति तेल आयात अप्रैल में 26 प्रतिशत बढ़कर 13,18,528 टन हो गया।

स्वर्ण खदान की बोली के लिए पात्र कंपनियों का चयन

नई दिल्ली (भाषा)। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक, जिंदल पावर और जेके सीमेंट उन कंपनियों में शामिल हैं जो राजस्थान में सोने की दो खदानों की नीलामी के लिए तकनीकी रूप से पात्र बोलीदाताओं के रूप में उभरी हैं। रामगढ़ मिनरल्स एंड माइनिंग, हीराकुंड नैचुरल रिसोर्सेज लिमिटेड, जिंदल पावर, हिंदुस्तान जिंक और सैयद ओवैस अली भुकिया-जगपुरा स्वर्ण ब्लॉक के लिए तकनीकी रूप से पात्र बोलीदाताओं के रूप में सामने आई हैं।

राजस्थान सरकार के खान एवं भूविज्ञान विभाग (डीएमजी) की वेबसाइट के मुताबिक, कांकरिया गारा स्वर्ण ब्लॉक के लिए हीराकुंड नैचुरल रिसोर्सेज, पोद्दार डायमंड, ओवैस मेटल एंड मिनरल्स प्रोसेसिंग, हिंदुस्तान जिंक और जेके सीमेंट पात्र बोलीदाताओं के रूप में उभरकर सामने आई हैं। वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, सोने के इन दोनों ब्लाक की नीलामी इसी हफ्ते होगी। इन दोनों खदानों की नीलामी की प्रक्रिया इसी साल मार्च में शुरू हुई थी। आंध्र प्रदेश में स्थित देश की पहली बड़ी निजी स्वर्ण खदान का पूर्ण पैमाने पर उत्पादन 2024 के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। जोन्नागिरी स्वर्ण परियोजना पूर्ण पैमाने पर उत्पादन शुरू होने के बाद सालाना लगभग 750 किलोग्राम सोने का उत्पादन करेगी।

खुदरा महंगाई के नरम पड़ने से सेंसेक्स 328 अंक चढ़ा

मुंबई (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 328 अंक से अधिक के लाभ में रहा। अप्रैल महीने में खुदरा मुद्रास्फीति में नरमी तथा बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज में लिवाली से बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 328.48 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73,104.61 अंक पर बंद हुआ।

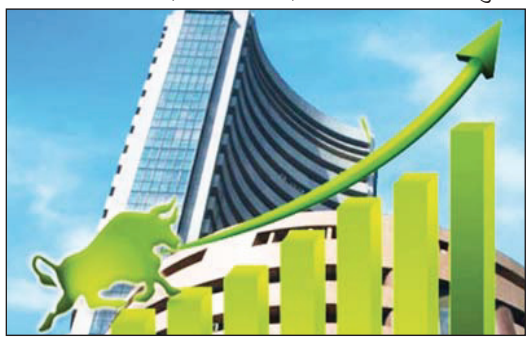

कारोबार के दौरान एक समय यह 510.13 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 113.80 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,217.85 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारतीय स्टेट बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और मारुति प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में नेस्ले, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और एशियन पेंट्स शामिल हैं। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार अंडा, मांस और मसालों के सस्ता होने से खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में नरम होकर 11 महीने के निचले स्तर 4.83 प्रतिशत पर रही।

भारत में तीन गुना बढ़ेगा एआई पर खर्च

- वर्ष 2027 तक पांच अरब अमेरिकी डालर तक पहुंचने का लगाया गया अनुमान

नई दिल्ली (भाषा)।

देश में कृत्रिम मेधा (एआई) पर खर्च 2027 तक तीन गुना होकर पांच अरब अमेरिकी डालर हो सकता है। इंटेल-आईडीसी रिपोर्ट के अनुसार, भारत में संस्थाओं ने 2023 में एआई पर 170.38 करोड़ अमेरिकी डालर खर्च किए।

आईडीसी के एसोसिएट उपाध्यक्ष शरत श्रीनिवासमूर्ति ने कहा, 'भारत में एआई खर्च 2023 से 2027 के बीच 31.5 प्रतिशत की सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) के साथ पांच अरब अमेरिकी डालर तक बढ़ने की उम्मीद है। 2027 तक एआई हर जगह मौजूद होगा।'

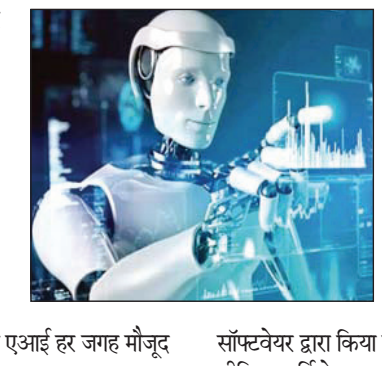

उन्होंने कहा कि 2023 में 20.9 करोड़ अमेरिकी डालर का बड़ा खर्च एआई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोविजनिंग और संबंधित सॉफ्टवेयर द्वारा किया गया। श्रीनिवासमूर्ति ने कहा, 'कुल खर्च में 'इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोविजनिंग' सबसे बड़ा योगदानकर्ता बना रहेगा।' इंटेल इंडिया क्षेत्र के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संतोष विश्वनाथन ने कहा कि भारत एआई के लिए तैयार है क्योंकि दुनिया का करीब 20 प्रतिशत डेटा देश में उत्पादित होता है और यह तीसरा सबसे बड़ा वैश्विक बाजार है।

विश्वनाथन ने कहा कि प्रौद्योगिकी कौशल उपलब्धता के मामले में भारत विश्व स्तर पर अग्रणी है और भविष्य में भी बेहतर किए जाने की उम्मीद है।

हर्ष ने संभाला आरईसी के निदेशक वित्त का पद

नई दिल्ली (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र की आरईसी लि. ने मंगलवार को कहा कि हर्ष बवेजा ने कंपनी के निदेशक (वित्त) का पदभार संभाल लिया है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 10 मई को उनकी नियुक्ति की मंजूरी दी थी।

आरईसी ने बयान में कहा, 'हर्ष बवेजा ने कंपनी के निदेशक (वित्त) का पदभार संभाल लिया है।' बवेजा की नियुक्ति लोक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) की सिफारिश के बाद की गई है। यह नियुक्ति 11 उम्मीदवारों की चयन प्रक्रिया के बाद की गई। चार्टर्ड अकाउंटेंट होने के साथ-साथ बवेजा के पास कई संस्थानों में वित्तीय एवं व्यावसायिक कार्यों के प्रबंधन के क्षेत्र में 33 साल से अधिक का अनुभव है।

टी-20 विश्व कप में श्रीलंका ने बनाया है सर्वोच्च टीम स्कोर, तीसरे नंबर पर भारत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी-20 विश्व कप 2024 अमेरिका और वेस्टइंडीज में संयुक्त रूप से खेला जाना है। इस बार 20 टीमों के बीच ये प्रतियोगिता खेली जानी है। भारतीय क्रिकेट टीम ने 2007 में अपना इकलौता खिताब जीता था। इस बार रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम अपनी चुनौती पेश करेगी। पिछले कुछ सालों में कई टीमों ने एक से बढ़कर एक स्कोर खड़े किए हैं। इस बीच टी-20 विश्व कप के सबसे बड़े टीम स्कोर पर एक नजर डालते हैं।

श्रीलंका (260/6 बनाम केन्या, 2007)

टी-20 विश्व कप में सर्वोच्च टीम स्कोर बनाने का रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम पर है। श्रीलंकाई टीम ने 2007 में उद्घाटन संस्करण में केन्या के खिलाफ 260/6 रन बनाए थे। उस मैच में सनथ जयसूर्या ने आतिशी अर्धशतक लगाया था और जेहान मुबारक ने सिर्फ 13 गेंदों में नाबाद 46* रन बनाए थे। मुकाबले में केन्या की टीम सिर्फ 88 रन पर सिमट गई थी। टूर्नामेंट के इतिहास में कोई अन्य टीम 250+ का स्कोर दर्ज नहीं कर पाई है।

इंग्लैंड (230/8 बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2016)

टी-20 विश्व कप मैच में 230 या उससे अधिक का स्कोर बनाने वाली इंग्लैंड एकमात्र अन्य टीम है। इंग्लैंड ने 2016 में वानखेड़े स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 230 रनों का पीछा किया था। यह टूर्नामेंट में हासिल किया गया सबसे सफल लक्ष्य है। उस मुकाबले में जो रूट ने 83 रनों की पारी खेली थी। बता दें कि प्रोटियाज टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 229/4 का स्कोर बनाया था। ये विश्व कप का तीसरा सर्वोच्च स्कोर है।

भारत (218/4 बनाम इंग्लैंड, 2007)

भारत और इंग्लैंड के बीच 2007 के टी-20 विश्व कप मुकाबले में युवराज सिंह ने एक ओवर में 6 छक्के लगाए थे। युवराज ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में ये कारनामा कर दिखाया था। उस मुकाबले में युवराज ने सिर्फ 16 गेंदों पर 58 रन बनाए थे और भारत ने 20 ओवर में 218 रन बनाए थे। इंग्लैंड ने भी अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन टीम 200/6 का स्कोर ही बना सकी थी।

टी-20 विश्व कप में इन टीमों ने बनाए हैं सबसे कम स्कोर

टी-20 विश्व कप 2024 की शुरुआत 1 जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में संयुक्त रूप से होना है। आगामी संस्करण इसलिए भी दिलचस्प होने वाला है क्योंकि इसमें 20 टीमें हिस्सा लेंगी। इन सभी टीमों को कुल 4 ग्रुप्स में बांटा गया है। ऐसे में कुछ नई टीमों के पास विश्व क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ने का मौका होगा। इस बीच टी-20 विश्व कप में सबसे कम टीम स्कोर के बारे में जानते हैं।

नीदरलैंड (39 बनाम श्रीलंका, 2014)

नीदरलैंड क्रिकेट टीम के नाम पर टी-20 विश्व कप इतिहास में सबसे कम स्कोर बनाने का अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज है। ये इकलौती ऐसी टीम है, जो 40 रन से कम पर सिमट गई है। 2014 के टी-20 विश्व कप में श्रीलंका के खिलाफ डच टीम महज 39 रन पर ढेर हो गई थी। चटगांव में खेले गए मैच में एंजेलो मैथ्यूज और अजंता मेंडिस ने 3-3 विकेट लिए थे। श्रीलंकाई टीम ने केवल 5 ओवर में लक्ष्य हासिल किया था।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
कोलकाता	13	9	3	19
राजस्थान	12	8	4	16
चेन्नई	13	7	6	14
हैदराबाद	12	7	5	14
दिल्ली	14	7	7	14
बेंगलोर	13	6	7	12
लखनऊ	13	6	7	12
गुजरात	13	5	7	11
मुंबई	13	4	9	8
पंजाब	12	4	8	8

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
661 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

जसप्रीत बुमराह
20 विकेट
मुंबई

बाउंड्री मीटर

1913 चौके

1105 छक्के

लखनऊ को 19 रन से हराया, ईशांत को 3 विकेट, पोरेल-स्टब्स की फिफ्टी

एलएसजी को हराने के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स का प्लेऑफ में पहुंचना मुश्किल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अभिषेक पोरेल (58) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 57) की अर्धशतकीय पारियों के बाद अनुभवी इशांत शर्मा (34 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में मंगलवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को 19 रन से हराने के बाद प्लेऑफ में पहुंचने की धुंधली उम्मीदें बरकरार रखी है। दिल्ली की 14 मैचों में यह सातवीं जीत है। टीम 14 अंक के साथ तालिका में माइनस 0.377 के नेट रन रेट के साथ पांचवें वें स्थान पर है। तालिका में तीसरे और चौथे स्थान की टीम चेन्नई सुपर किंग्स (0.528) और सनराइजर्स हैदराबाद (0.406) की टीम काफी बेहतर स्थिति में है। एलएसजी की 13 मैचों में यह सातवीं हार है। टीम 12 अंक के साथ तालिका में सातवें स्थान पर है। एलएसजी को अपना आखिरी मैच मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलना है। टीम का नेट रन रेट काफी खराब (माइनस 0.787) है ऐसे में मुंबई में जीत के बाद भी उसके लिए प्लेऑफ में पहुंचना लगभग

नामुमकिन होगा। दिल्ली ने चार विकेट पर 208 रन बनाने के बाद एलएसजी की पारी को नौ विकेट पर 189 रन पर रोक दिया। दिल्ली के लिए मैन ऑफ द मैच इशांत शर्मा ने तीन जबकि कुलदीप यादव, खलील अहमद, ट्रिस्टन स्टब्स और मुकेश कुमार ने एक-एक विकेट लिये। एलएसजी के लिए निकोल्स पूरन ने 27 गेंद में छह चौके और चार छक्के की मदद से 61 रन बनाये। अरशद खान ने आखिरी ओवर में 33 गेंद में नाबाद 58 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और पांच छक्के लगाकर दिल्ली के नेट रन रेट में बड़ा सुधार करने की उम्मीदों को धक्का पहुंचाया। पोरेल ने 33 गेंद में पांच चौके और चार छक्के की मदद से 58 जबकि स्टब्स ने 25 गेंद में नाबाद 57 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में चार छक्के और तीन चौके जड़े। शुरुआती ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले पोरेल ने दूसरे विकेट के लिए शाई होप (38) के साथ 49 गेंद में 92 रन की साझेदारी कर टीम को तेज शुरुआत दिलायी। होप ने 27 गेंद की पारी में तीन चौके और दो छक्के लगाये। एलएसजी के लिए रवि बिश्नोई ने किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 26 रन देकर एक विकेट लिया। नवीन उल हक को दो जबकि अरशद खान को एक सफलता मिली लेकिन दोनों काफी महंगे साबित हुए। नवीन ने चार ओवर में 51 तो वहीं अरशद ने तीन ओवर में 45 रन लुटाये। लक्ष्य का बचाव करते हुए इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे इशांत शर्मा ने अपने शुरुआत तीन ओवरों में कप्तान लोकेश राहुल (तीन गेंद में पांच रन), क्विंटन डिकॉक (आठ गेंद में 12रन) और दीपक हुड्डा (शून्य) को आउट कर दिल्ली को शानदार शुरुआत दिलायी।

राजस्थान और पंजाब में आज दूसरी भिड़ंत

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 65वें मैच में राजस्थान रॉयल्स का सामना पंजाब किंग्स से आज 15 मई को होगा। आरआर ने अपने 12 में से 8 मैच जीते हैं और 4 में हार झेली है। वहीं पंजाब किंग्स अब तक 12 मैच खेले हैं, जिसमें से सिर्फ 4 में जीत दर्ज की है और 8 में शिकस्त झेली है। इन दोनों टीमों का एक-दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन बड़े ही रोमांचक रहे हैं। पंजाब किंग्स और राजस्थान रायल्स के बीच आईपीएल के इतिहास में अब तक 27 मुकाबले खेले गए हैं। इस दौरान पीबीकेएस को 11 मैच में जीत मिली है, जबकि आरआर ने 16 मुकाबले जीते हैं। आईपीएल 2024 की पहली भिड़ंत में आरआर ने 3 विकेट से जीत दर्ज की थी। आईपीएल 2023 में दोनों टीम के बीच 2 मुकाबले खेले गए थे। एक मैच को पंजाक किंग्स ने अपने नाम किया था और 1 मुकाबला आरआर ने जीता था।

खास खबर

टी-20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तानों में धोनी टॉप पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी-20 विश्व कप 2024 का आगाज 1 जून को होगा। टूर्नामेंट अमेरिका और वेस्टइंडीज की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। इस बार टी-20 विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। जोस बटलर की कप्तानी में इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने साल 2022 का टी-20 विश्व कप जीता था। वह एक बार फिर इंग्लैंड क्रिकेट टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। आपको बता दें कि टी-20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तानों में भारतीय टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पहले नंबर पर हैं।

एमएस धोनी 529 रन

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कप्तान के तौर पर टी-20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में भारतीय टीम को साल 2007 का विश्व कप भी दिलाया था। यह टी-20 विश्व कप का पहला संस्करण था। उसके बाद भारतीय टीम एक भी टी-20 विश्व कप नहीं जीत पाई है। कप्तान के तौर पर उनके बल्ले से 33 मैच में 529 रन निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 45 रन रहा है।

केन विलियमसन : 517 रन

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान केन विलियमसन इस मामले में दूसरे स्थान पर हैं। विलियमसन ने टी-20 विश्व कप में कप्तान के तौर पर 500 से ज्यादा रन बनाए हैं। उनके बल्ले से कप्तान के तौर पर 17 टी-20 मुकाबलों में 34.46 की औसत से 517 रन निकले हैं। उन्होंने 2 अर्धशतक भी लगाए हैं। विलियमसन साल 2024 में भी न्यूजीलैंड की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे।

बाबर आजम : 427 रन

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने टी-20 विश्व कप में 35.58 की औसत से 13 मुकाबलों में 427 रन बनाए हैं। वह साल 2021 और 2022 के टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान टीम की कप्तानी कर चुके हैं। एक बार फिर वह साल 2024 के विश्व कप में पाकिस्तान के कप्तान बनाए गए हैं।

खबर संक्षेप

मेइराबा थाईलैंड ओपन के मुख्य ड्रॉ में

बैंकॉक। भारत के मेइराबा मेसनाम ने मंगलवार को यहां थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी में ट्रेनिंग करने वाले मणिपुर के 21 साल के मेइराबा ने हमवतन शाश्वत दलाल को 15-21 21-14 21-16 से हराने के बाद मलेशिया के कोक जिंग होंग को 21-19 21-9 से हराकर मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। बुधवार को मुख्य ड्रॉ में उनकी भिड़ंत हमवतन भारतीय और पांचवें वरीय एचएस प्रणय से होगी। पुरुष एकल क्वालीफिकेशन में हिस्सा ले रहे चार अन्य भारतीय एस शंकर मुथुसामी, आयुष शेट्टी, कार्तिकेय गुलशन कुमार और रवि हार के कारण मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने में नाकाम रहे।

गौरव सेमीफाइनल में शिवा हारकर बाहर

अस्ताना। भारत के गौरव चौहान एलोरडा कप मुक्केबाजी टूर्नामेंट में मंगलवार को पुरूषों के 92 प्लस किलो सेमीफाइनल में पहुंच गए जबकि शिवा थापा पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। गौरव ने स्थानीय मुक्केबाज डेनियल सापारबे को 3-2 से हराया। वहीं छह बार के एशियाई चैम्पियनशिप पदक विजेता शिवा को कजाखस्तान के अब्दुआली अलमात ने 63.5 किलोवर्ग में 4.1 से मात दी। संजय (80 किलो) भी एशियाई खेलों के चैम्पियन चीन के टी टांगलाटिहान से 0.5 से हारकर बाहर हो गए।

द.अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम 16 जून से भारत दौरे पर

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम 16 जून से नौ जुलाई तक भारत दौरा करके एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को कार्यक्रम की घोषणा की। वनडे मैच बेंगलुरू में और टेस्ट तथा टी20 मैच चेन्नई में खेले जायेंगे। श्रृंखला की शुरूआत एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर 13 जून को अभ्यास मैच के साथ होगा जिसमें दक्षिण अफ्रीका का सामना बोर्ड अध्यक्ष एकादश से होगा। वनडे मैच आईसीसी महिला चैम्पियनशिप 2022 . 2025 का हिस्सा हैं। वनडे मैच दोपहर 1. 30 पर और टी20 शाम सात बजे शुरू होंगे।

बीसीसीआई का बड़ा फैसला अब दो फेज में खेला जाएगा रणजी ट्रॉफी का सीजन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने घरेलू क्रिकेट में महत्वपूर्ण बदलाव किया हैं। दरअसल आने वाले रणजी ट्रॉफी सीजन को दो अलग-अलग फेजों में खेला जाएगा।

जानकारी के मुताबिक बीसीसीआई ने यह निर्णय खिलाड़ियों के वर्कलोड को कम करने के लिए लिया है। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने बताया कि "मैचों के बीच गैप को बढ़ाकर, खिलाड़ियों को पूरे सीजन में खेलने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा और वे अपनी स्थिति को सुधार सकेंगे।

इस तरह होंगे दो फेज में रणजी के मैच

नए नियम के अनुसार अब आने वाले रणजी ट्रॉफी के सीजन से हर टीम को अपने पहले पांच-पांच लीग मैच खेलने होंगे। पांच लीग मैच हो जाने के बाद, टीम को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी खेलना होगी। इन दोनों ट्रॉफी के बाद टीम फिर से, रणजी ट्रॉफी में शेष लीग मैच और नॉकआउट मुकाबले खेलेगी।

एक और बड़ा बदलाव किया गया

दरअसल सीके नायडू (अंडर-23) ट्रॉफी में टॉस की प्रक्रिया अब समाप्त हो गई है। जानकारी के अनुसार अब मैच की शुरुआत से पहले ही, मेहमान टीम को चुनाव के लिए अधिकार दिया जाएगा कि वे पहले बैटिंग करना चाहेंगे या फिर फील्डिंग। इसके साथ ही, सीके नायडू ट्रॉफी में एक और महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है, जिसमें नया प्वाइंट सिस्टम शामिल होगा। इसके अनुसार, जब पहली पारी खेली जाएगी, तो बल्लेबाजी और गेंदबाजी के अनुसार अंक प्रदान किए जाएंगे। साथ ही, पहली पारी में बढ़त या जीत हासिल करने पर भी अतिरिक्त अंक प्रदान किए जाएंगे ताकि बल्लेबाजी और गेंदबाजी के प्रदर्शन को प्रोत्साहित किया जा सके।

नए नियम को लेकर बोले जय शाह

दरअसल इस विषय पर बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने एक बयान दिया है। जय शाह ने बताया कि "घरेलू क्रिकेट का सीजन दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट के साथ आरंभ होगा, जिसमें चार टीमें शामिल होंगी जिन्हें नेशनल सेलेक्टर्स द्वारा चुना जाएगा। इसके बाद, ईरानी कप टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा। दलीप ट्रॉफी और ईरानी कप के पश्चात, रणजी ट्रॉफी के पहले पांच लीग मैच खेले जाएंगे। सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट और विजय हजारे ट्रॉफी के बाद, रणजी ट्रॉफी के शेष दो लीग मैच और नॉकआउट मुकाबले होंगे।"

फुटबॉल में येलो व रेड कार्डों से अलग होगी खिलाड़ियों को ब्लू कार्ड से दी जाने वाली सजा

नई दिल्ली। फुटबॉल के लिए नियम बनाने वाली संस्था इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड इस खेल में कुछ नया करने जा रही है। आपने येलो कार्ड और रेड कार्ड के बारे में तो सुना होगा, लेकिन अब फुटबॉल में खिलाड़ियों को ब्लू कार्ड भी दिखाया जाएगा। यह येलो और रेड कार्डों से अलग एक खिलाड़ियों को दी जाने वाली अनूठी चेतावनी होगी। इसका उपयोग पहली बार मेक्सिको में साल 1970 के फीफा विश्व कप में किया गया था।

क्या है ब्लू कार्ड के नियम?

ब्लू कार्ड का उपयोग खिलाड़ियों की असहमति और नाराजगी जताने पर दिया जाएगा। अगर खिलाड़ी मैच में गुस्सा होता है या रेफरी के फैसले से असहमति जताता है तो रेफरी उन्हें ब्लू कार्ड दिखा सकते हैं। इससे खिलाड़ी 10 मिनट तक खेल से बाहर हो जाएगा। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रायल कब शुरू होगा और इसमें कौन-कौन सी प्रतियोगिताएं शामिल होंगी। प्रीमियर लीग ने इस तरह के किसी भी ट्रायल का हिस्सा बनने से मना कर दिया है।

आईपीएल के इतिहास में भुवनेश्वर-प्रवीण सबसे अधिक मेडन ओवर फेंकने वाले गेंदबाज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 संस्करण अब अपने अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ चुका है। अब सभी टीमों की नजर प्लेऑफ पर टिक गई है। संस्करण के शुरुआती चरण में जहां बल्लेबाजों का दबदबा रहा, वहीं दूसरे चरण में गेंदबाजों के प्रभाव से स्कोरिंग दर कम रही। टी-20 क्रिकेट में डॉट गेंद निकालना अपने आप में बड़ी बात समझी जाती है। वैसे तो आईपीएल के इतिहास में कई गेंदबाज ऐसे हैं जिन्होंने 10 या उससे अधिक मेडन ओवर फेंके हैं लेकिन इन सबमें सबसे टॉप पर भुवनेश्वर कुमार हैं।

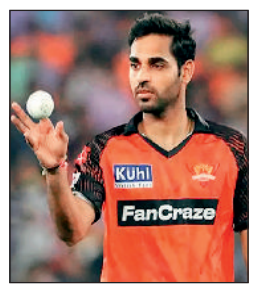

भुवनेश्वर कुमार (14 मेडन)

सनराइजर्स हैदराबाद के स्टार खिलाड़ी भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल में 14 मेडन ओवर फेंके हैं। उन्होंने 173 मैच खेलकर 7.51 की इकोनॉमी से 181 विकेट भी चटकाए हैं। तेज गेंदबाज दो बार पर्पल कैप पर भी कब्जा जमा चुके हैं। शुरुआती ओवर में उनके 27 आईपीएल विकेटों की संख्या किसी भी गेंदबाज के लिए संयुक्त रूप से सबसे अधिक है। वह इस मामले में बोल्ट के साथ शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं।

प्रवीण कुमार (14 मेडन)

गेंद को दोनों तरफ घुमाने वाले पूर्व भारतीय गेंदबाज प्रवीण कुमार भी इस सूची में शीर्ष पर हैं। प्रवीण ने अपने 119 मैचों के आईपीएल करियर में कुल 14 ओवर मेडन फेंके हैं। उन्होंने 7.72 की इकॉनमी से 90 विकेट भी चटकाए हैं। मध्यम गति के गेंदबाज ने हर तरह की पिच पर गेंदों को लहराकर कई दिग्गज बल्लेबाजों को परेशान कर रखा था। उन्होंने अपना आखिरी आईपीएल मुकाबला साल 2017 में खेला था।

टी-20 विश्व कप 2024 के लिए टीम घोषित

नजमुल हुसैन करेंगे बांग्लादेश की कप्तानी

एजेंसी ▶▶| ढाका

आगामी 1 जून से शुरू होने वाले टी-20 विश्व कप 2024 के लिए बांग्लादेश क्रिकेट टीम घोषित की गई है। नजमुल हुसैन शांतो को टीम का कप्तान बनाया गया है। शांतो के नेतृत्व वाली 15 सदस्यीय टीम में अनुभवी ऑलराउंडर महमूदुल्लाह को भी जगह मिली है उन्हें विश्व कप के पिछले संस्करण में नहीं चुना गया था। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद को टीम का उपकप्तान नियुक्त किया है। टी-20 विश्व कप 2024 के लिए बांग्लादेश की टीम को ग्रुप-डी में रखा गया है। बांग्लादेश अपने अभियान की शुरुआत 7 जून को श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

महमूदुल्लाह को भी मिला मौका

महमूदुल्लाह हाल ही में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के खिलाफ टी-20 सीरीज में भी खेलते हुए नजर आए थे। वह 2007 से 2021 के बीच 7 संस्करण में बांग्लादेश की टीम का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने इस प्रतियोगिता में 30 मैचों में 110.67 की स्ट्राइक रेट के साथ 363 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 1 अर्धशतक रहा है। गेंदबाजी में उन्होंने 7.10 की इकॉनमी रेट के साथ 8 विकेट लिए हैं।

बांग्लादेश ने टीम में चुने हैं अनुभवी खिलाड़ी

बांग्लादेश की टीम में महमूदुल्लाह के अलावा शाकिब अल हसन, सौम्य सरकार, मुस्तफिजुर रहमान और लिटन दास जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को चुना गया है। मुस्तफिजुर बांग्लादेश की तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे। अनुभवी शाकिब के अलावा मेहदी हसन, तनवीर इस्लाम और रिशाद हुसैन के रूप में 3 विशेषज्ञ स्पिन गेंदबाजी विकल्पों पर भरोसा जताया है। हसन महमूद और अफीफ हुसैन को ट्रेवलिंग रिजर्व के रूप में नामित किया गया है।

ऐसी है बांग्लादेश की टीम

नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तंजीम हसन तमीम, लिटन दास, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमुदुल्लाह, सौम्य सरकार, जाकिर अली, मेहदी हसन, तस्कीन अहमद, तनवीर इस्लाम, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम और तंजीद हसन साकिब।

आउटरीच कार्यक्रम 'समाधान अभियान' के तहत

अब चीन सीमा से सटे इलाकों में खुलेंगे प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, पूर्व सैनिक करेंगे केंद्रों का संचालन

1. एवोकाडो, संतरे, कीवी और फलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा
2. पेंशन, स्वास्थ्य देखभाल, पुनर्वास सहित कई मुद्दों पर की चर्चा
3. उद्यमिता मॉडल के लिए उपलब्ध कार्यक्रमों के बारे में दी जानकारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आम लोगों तक जन औषधि केंद्र के जरिए लोगों को सस्ती और उपयोगी दवाएं उपलब्ध कराई जा रहीं हैं। ऐसे में अब सीमा क्षेत्रों में भी जन औषधि केंद्र खोलने की योजना है। केंद्र सरकार उत्तर-पूर्वी राज्य सिक्किम के सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र स्थापित करेगी, जिनका संचालन पूर्व सैनिक करेंगे।

इसी सिलसिले में भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग के सचिव ने चीन सीमा पर सिक्किम से लगे क्षेत्रों का दौरा करके पूर्व सैनिकों से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का जायजा लिया है। केंद्र सरकार के इस फैसले को पूर्व सैनिकों की स्वास्थ्य सुविधा को और अधिक मजबूत करने के रूप में देखा जा रहा है।

विभिन्न प्रतिष्ठानों का किया दौरा

भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग के सचिव ने भारतीय सेना के 17 माउंट डिवीजन का दौरा किया और जीओसी मेजर जनरल अमित कबथियाल ने उनका स्वागत किया। इस दौरान सचिव ने ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक, स्पर्श सुविधा केंद्र व सेवानिवृत्त सैनिक सुविधा केंद्र सहित विभिन्न रक्षा प्रतिष्ठानों का दौरा करके उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने पूर्व सैनिकों के साथ बातचीत करके पेंशन, स्वास्थ्य देखभाल व उनके पुनर्वास सहित अन्य मुद्दों के बारे में पूछताछ की। समाधान अभियान के तहत पूरे क्षेत्र से बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों ने हिस्सा लिया, जहां उनसे संबंधित कई मुद्दों पर उन्हें सहायता प्रदान की गई।

सामान्य सेवा केंद्रों का भी संचालन करेंगे पूर्व सैनिक

पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के सचिव डॉ. नितेन चंद्रा ने सोमवार भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग के आउटरीच कार्यक्रम 'समाधान अभियान' के एक हिस्से के तहत सिक्किम के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने पूर्व सैनिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बताया कि राज्य सैनिक बोर्ड और जिला सैनिक बोर्डों को पूरे क्षेत्र में सामान्य सेवा केंद्र और प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। डॉ. नितेन चंद्रा ने बताया कि सिक्किम के सीमावर्ती क्षेत्रों में खुलने वाले प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों का संचालन पूर्व सैनिक करेंगे।

स्वास्थ्य रोडमैप पर चर्चा

डॉ. नितेन चंद्रा ने गंगटोक में सिक्किम के मुख्य सचिव वीबी पाठक से मुलाकात करके पूर्व सैनिकों के लिए स्वास्थ्य रोडमैप पर चर्चा की। इस बैठक के दौरान चर्चा की गई कि राज्य बागवानी विभाग की सहायता से पूर्व सैनिकों के सहकारी समूहों को क्षेत्र में एवोकाडो, संतरे, कीवी और फलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। महानिदेशक (पुनर्वास) मेजर जनरल एसबीके सिंह ने पूर्व सैनिकों के कौशल व दक्षताओं को बढ़ाने और उनके पुनर्वास के लिए उद्यमिता मॉडल के लिए उपलब्ध विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया।

खबर संक्षेप

इजराइल हमले में भारतीय सैनिक शहीद

येरुशलम। दक्षिणी गाजा के रफाह शहर के खान यूनिस इलाके में हुई गोलीबारी से संयुक्त राष्ट्र के एक

कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि एक अन्य कर्मचारी जख्मी हो गया। मृतक कर्मचारी की पहचान भारतीय नागरिक के रूप में की गई है। उनका नाम भारतीय सेना से रिटायर्ड हो चुके कर्नल वैभव अनिल काले बताया गया है। संयुक्त राष्ट्र के उप प्रवक्ता फरहान हक के मुताबिक, 46 वर्षीय वैभव अनिल काले एक महीने पहले ही यूएन के लिए काम करने गाजा आए थे।

गेट्स फाउंडेशन से मेलिंडा ने दिया इस्तीफा

वॉशिंगटन। दुनिया के शीर्ष अरबपतियों में शुमार बिल गेट्स की पूर्व पत्नी मेलिंडा गेट्स ने बिल

एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह-अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। मेलिंडा गेट्स का गेट्स फाउंडेशन में आखिरी दिन 7 जून होगा। मेलिंडा गेट्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। मेलिंडा ने लिखा कि मैंने और बिल ने मिलकर एक कमाल का संगठन बनाया है, जो दुनियाभर में असमानता से निपट रहा है।

यूक्रेन युद्ध में अब तक दो हजार बच्चे हुए हताहत

वॉशिंगटन। यूनीसेफ के यूरोप और मध्य एशिया के क्षेत्रीय

कार्यालय ने एक बयान में बताया कि फरवरी 2022 से अब तक यूक्रेन युद्ध में 1,993 बच्चे हताहत हुए हैं। यूनीसेफ के अनुसार, यूक्रेन युद्ध में हर दिन औसतन दो बच्चे हिंसा के शिकार हुए। यूक्रेन के कई हिस्सों में अभी भी हमले जारी हैं, जिससे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर हो रहा है। यूनीसेफ ने बताया कि पांच में से एक बच्चा मानसिक तनाव से गुजर रहा है।

भारत के बिना बांग्लादेश का विकास असंभव

ढाका। बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने अपने देश में चल रहे बॉयकॉट इंडिया अभियान को

असफल करार दिया है। उन्होंने कहा कि भारत की मदद के बिना बांग्लादेश का विकास संभव नहीं है। हसन महमूद बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ अवामी लीग पार्टी के संयुक्त महासचिव भी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर भारतीय उत्पादों का बहिष्कार करने के अभियान को असफल करार दिया है। भारत के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना जरूरी है।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर का बड़ा खुलासा

भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालने के लिए पीएम ने दोनों देश के नेताओं से बात की थी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने सोमवार को मुंबई में मीडिया हाउस के संपादकों से बातचीत में बताया कि दो साल पहले रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से फोन पर बात कर यह सुनिश्चित किया था कि युद्ध प्रभावित इलाकों में से भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकाला जा सके। जयशंकर ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने खार्किव और सुमी से भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालने के लिए पुतिन को दो बार और जेलेंस्की को एक बार कॉल किया था। पीएम मोदी ने पुतिन से पूछा कि आप सुरक्षित क्षेत्र पर कैसे फायरिंग कर सकते हैं।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बताया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से फोन पर बात कर यह सुनिश्चित किया था कि युद्ध प्रभावित इलाकों में से भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकाला जा सके।

खार्किव से छात्रों को निकालने में पुतिन को फोन कर रुकवाई थी फायरिंग

सुमी शहर से छात्रों को निकालने में पुतिन को दो बार और जेलेंस्की को एक बार कॉल किया था

दिल्ली से भेजे थे दो रूसी वॉलंटियर्स

केन्या में बाढ़ पीड़ितों के लिए भारत ने भेजी राहत सामग्री

केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने केन्या में बाढ़ पीड़ितों के लिए सहायता सामग्री भेजने को लेकर जानकारी साझा की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए 40 टन दवाओं, चिकित्सा आपूर्ति और अन्य उपकरणों से युक्त एचएडीआर सामग्री का दूसरा हिस्सा केन्या के लिए रवाना हो गया है। भारत एक एतिहासिक साझेदारी के लिए खड़ा है।

सुमी ऑपरेशन बड़ा और कठिन था

जयशंकर ने बताया कि सुमी ऑपरेशन बड़ा ऑपरेशन था। सुमी शहर में हमने बसें भेजीं। हमें पता था कि छात्र निकल जाएंगे और उस दौरान कोई फायरिंग नहीं होगी। जैसे ही छात्र बस में चढ़े, फायरिंग शुरू हो गई। रूस ने कहा कि यूक्रेन ने फायरिंग शुरू की है और यूक्रेन ने कहा कि रूस ने फायरिंग शुरू की है। तो हमारे छात्र वापस चले गए। इसके बाद हमने दिल्ली से दो रूसी वॉलंटियर्स भेजे। इन वॉलंटियर्स ने कहा कि वे छात्रों से मिलेंगे और उन्हें बाहर निकालेंगे। इसके लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने पुतिन और जेलेंस्की दोनों को फोन किया और उन्हें बताया कि हमने ये रास्ता बनाया है और उन्हें छात्रों को वहां से निकालना है।

सुरक्षित क्षेत्र बनाया था

जयशंकर ने कहा कि खार्किव वाले घटनाक्रम में छात्रों ने सुरक्षित जगह पहुंचना शुरू कर दिया, लेकिन तभी किसी गलतफहमी की वजह से रूसी सेना ने उस जगह पर फायरिंग शुरू कर दी। तब पीएम मोदी ने पुतिन को फोन किया और उन्हें बताया कि हमारे लोगों ने एक सुरक्षित क्षेत्र जोन बनाया है और मोदी ने पुतिन से पूछा कि आप सुरक्षित क्षेत्र पर फायर कैसे कर सकते हैं। इसके बाद पुतिन ने कहा कि इसे लेकर वे कुछ करेंगे। दो-तीन घंटे बाद हमें मैसेज मिला कि फायरिंग रुक गई है।

रूस-यूक्रेन जंग को दो साल पूरे

बता दें, फरवरी 2024 में रूस-यूक्रेन जंग को दो साल पूरे हो गए। अमेरिका के आंकड़ों के मुताबिक जंग में अब तक रूस के 1 लाख 20 हजार और यूक्रेन के 42 हजार सैनिक मारे जा चुके हैं। यूक्रेन के पांच बड़े शहरों पर रूस का कब्जा है।

इजराइल-हमास युद्ध पर यूएन में भारत बोला

दोनों सभी अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवीय कानून का करें सम्मान

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारत ने इजराइल और हमास के बीच के चल रहे युद्ध में संघर्ष कर रहे नागरिकों और उनकी मौत की कड़ी निंदा की। यूएन में भारत की प्रतिनिधि ने कहा कि यह संकट अस्वीकार है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थाई प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने फिलिस्तीन पर 10वें यूएनजीए आपातकालीन सत्र में पहुंची। उन्होंने कहा कि इजराइल और हमास के बीच के संघर्ष के कारण जान-माल की हानि हुई। विशेष रूप से बच्चों और महिलाओं की हानि हुई। यह मानवीय संकट बिल्कुल अस्वीकार है। उन्होंने कहा कि इस बीच में संघर्ष कर रहे नागरिकों की मौत की हम कड़ी निंदा करते हैं। हर परिस्थिति में सभी को अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का सम्मान करना चाहिए।

हमास का हमला निंदनीय

रुचिरा कंबोज ने कहा कि इजराइल पर हमास का हमला भी निंदनीय है। आतंकवाद और बंधक बनाने का कोई औचित्य ही नहीं है। इजराइल में आतंकवादी हमले चौकाने वाले थे। भारत हमेशा से ही आतंकवाद के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि भारत सभी बंधकों की रिहाई मांग करता है, वह भी बिना शर्त। उन्होंने बताया कि गाजा में मानवीय स्थिति गंभीर है। स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए गाजा के लोगों को मानवीय सहायता दी जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र लगातार इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने फिलिस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता दी है। हम इजराइली अधिकारियों द्वारा गाजा में मानवीय सहायता से ज्यादा तत्काल सहायता पर ध्यान दे रहे हैं।

दोनों देश शीघ्र ही शांति वार्ता शुरू करें

कंबोज ने कहा कि भारत दोनों राज्यों के बीच समझौता करवाना चाहता है। जहां फिलिस्तीनी इजराइल की सीमा के भीतर स्वतंत्र रूप से रह सकते हैं। शीघ्र ही शांति वार्ता शुरू करना है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में पूर्ण सदस्यता के लिए फिलिस्तीनी के पक्ष में भारत के समर्थन की बात रखते हुए कहा कि स्थिति को देखते हुए हम फिलिस्तीन के आवेदन पर पुनर्विचार करेंगे।

सरकार ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ की साझेदारी

डिजिटल अरेस्ट करने वाले 1000 ठगों की ब्लॉक की स्काइप आईडी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सरकार ने देश में तेजी से बढ़ी रही डिजिटल अरेस्ट और ब्लैकमेल की घटनाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सरकार ने 1,000 स्काइप आईडी को ब्लॉक किया है। इसके अलावा इस तरह के स्कैम में शामिल कई हजार सिम कार्ड भी ब्लॉक हुए हैं। सरकार ने इसके लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ साझेदारी की है। यह कार्रवाई भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की ओर से की गई है। गृह मंत्रालय के तहत आई4सी साइबर अपराध से निपटने में समन्वयक का काम करता है।

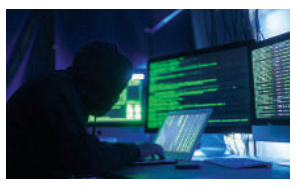

धोखेबाजों के सोशल मीडिया किए ब्लॉक

आई4सी ने माइक्रोसॉफ्ट की मदद से ब्लैकमेलिंग और डिजिटल अरेस्ट जैसी गतिविधियों में शामिल 1,000 से अधिक स्काइप आईडी को भी ब्लॉक कर दिया है। स्काइप पर यह कार्रवाई इसलिए हुई है क्योंकि डिजिटल अरेस्ट के मामलों में स्काइप का ही इस्तेमाल किया गया है।

फर्जी स्पैम कॉल पर जल्द ही आएगी नई गाइडलाइन

सभी कंपनियों को कॉल के साथ नाम दिखाना जरूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मोबाइल पर दिनभर में आने वाले बैंकिंग फ्रॉड काल्स पर सरकार ने पूरी तरह से रोक लगाने की तैयारी कर ली है। सरकार की नई गाइडलाइन बहुत ही सख्त होगी। इससे फर्जी स्पैम कॉल पर रोक लग सकेगी। टेलीकॉम सेक्टर के नियामक ट्राई ने सभी कंपनियों को कॉल के साथ नाम दिखाने का निर्देश दिया था। लेकिन कुछ कंपनियों को छोड़ किसी ने इस निर्देश का ठीक से पालन नहीं किया। ट्राई ने स्मार्टफोन निर्माताओं को निर्देश दिया था कि यूजर्स का ध्यान रखें।

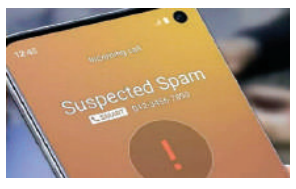

बनाई थी समिति

इसी वर्ष की शुरुआत में डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स ने स्पैम कॉल्स को रोकने के लिए एक समिति बनाई थी। इस कमेटी ने स्पैम कॉल्स को कंट्रोल करने के लिए नए दिशानिर्देश को लेकर ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। 10 मई को लेकर एक बैठक भी हुई। समिति ने नए नियम को लेकर विस्तृत चर्चा कर ड्राफ्ट तैयार कर लिया है।

चाबहार पोर्ट डील पर अमेरिका की कड़ी प्रतिक्रिया

चाबहार समझौते से भारत को होगा फायदा, अमेरिकी को लगी मिर्ची

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारत-ईरान के बीच चाबहार पोर्ट डील साइन होने के बाद अमेरिका ने चेतावनी दी है। अमेरिकी विदेश विभाग के उप-प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि हमें जानकारी मिली है कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह से जुड़े एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। विदेश नीतियों और दूसरे देशों के साथ अपने रिश्तों पर भारत खुद फैसले करेगा, लेकिन जो भी देश ईरान के साथ व्यापार में शामिल होगा, उस पर प्रतिबंध लगने का खतरा बना रहेगा।

10 साल के लिए मिला चाबहार पोर्ट

भारत ने ईरान के चाबहार में शाहिद बेहेशती पोर्ट को 10 साल के लिए लीज पर लेने से जुड़ी डील की। इस समझौते के तहत पोर्ट का पूरा प्रबंधन भारत के पास होगा। पोर्ट के जरिए भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया से व्यापार करने के लिए नया रास्ता मिल जाएगा। इससे पाकिस्तान की जरूरत भी खत्म हो जाएगी। डील के तहत भारतीय कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड चाबहार पोर्ट में 120 मिलियन डॉलर का निवेश करेगी। इसके अलावा 250 मिलियन डॉलर की वित्तीय मदद की जाएगी।

ईरान पर यूएस ने लगा रखे है प्रतिबंध

अमेरिका ईरान पर लगभग सभी व्यापार प्रतिबंध लगा चुका है। अमेरिकी ने देश में ईरान की सारी संपत्तियों को भी ब्लॉक कर रखा है। अमेरिका ने सहयोगियों देशों को भी ईरान की सहायता करने और हथियार की बिक्री करने से रोक रखा है। ये पाबंदियां ईरान के परमाणु कार्यक्रम, मानवाधिकारों का उल्लंघन की वजह से है।

प्रोजेक्ट भीष्म के तहत पहली बार किया गया परीक्षण

वायुसेना ने हवा में गिराया 'अस्पताल', एक साथ 200 लोगों का इलाज संभव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना ने बुधवार को आगरा में जहाज से पोर्टेबल हॉस्पिटल भीष्म को एयरड्रॉप किया। यह अपनी तरह का पहला ऐसा परीक्षण है, जिसमें एयर फोर्स ने जब हॉस्पिटल क्यूब्स को जहाज से नीचे गिराया। आपातकालीन परिस्थितियों में ये पोर्टेबल हॉस्पिटल बेहद काम आ सकते हैं और इन्हें जहाज से एयरड्रॉप करके कहीं भी इस्तेमाल किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए प्रोजेक्ट भीष्म को स्वास्थ्य मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। भीष्म प्रोजेक्ट (बैटलफील्ड हेल्थ इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर मेडिकल सर्विसेज) के तहत न केवल भारत में, बल्कि विदेश में भी प्राकृतिक आपदाओं, मानवीय संकटों या शांति और युद्ध के समय में भी तेजी से तैनाती के लिए डिजाइन किया गया है। ताकि इस दौरान तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए भीष्म पोर्टेबल हॉस्पिटल्स का इस्तेमाल किया जा सकता है।

- आपदाओं में त्वरित चिकित्सा प्रदान करने में सक्षम
- पोर्टेबल हॉस्पिटल क्यूब्स में तमाम चिकित्सा सुविधाएं

कहीं भी आसानी से ले जा सकेंगे

भीष्म पोर्टेबल हॉस्पिटल क्यूब्स में तमाम तरह की चिकित्सा सुविधाएं हैं। इन्हें इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इन्हें वायु, भूमि और समुद्र में आसानी से ले जाया जा सके। प्रत्येक क्यूब में सर्जिकल सुविधाएं, डायग्नोस्टिक टूल्स और रोगी के देखभाल से संबंधित सुविधाएं शामिल हैं। पोर्टेबल हॉस्पिटल क्यूब्स का विकास और परीक्षण भारतीय वायु सेना, भारतीय स्वास्थ्य सेवा संस्थानों और डिफेंस टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स ने मिल कर किया है।

हर माहौल में निभेगी सुविधा

इस मोबाइल क्यूब हॉस्पिटल में 200 लोगों का इलाज किया जा सकता है। इन मॉड्यूलर मेडिकल यूनिट्स को दूरस्थ या आपदाग्रस्त क्षेत्रों में तेजी से तैनात करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो चुनौतीपूर्ण माहौल में भी चिकित्सा सहायता देने में मदद करते हैं। इसे आपातकालीन मानवीय संकट के दौरान जरूरतमंद क्षेत्रों में चिकित्सा संसाधनों की तेजी से तैनाती कर सकता है।

केंद्र ने लिट्टे पर लगा प्रतिबंध फिर बढ़ाया

गृह मंत्रालय ने लिट्टे संगठन को देश की सुरक्षा के लिए बताया खतरा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) पर लगाए गए प्रतिबंध को पांच साल के लिए बढ़ा दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 1967 की धारा 3 की उप धारा (1) और (3) को लागू करते हुए प्रतिबंध लगाया। मंत्रालय ने अधिसूचना में बताया कि लिट्टे अभी भी उन गतिविधियों में शामिल है, जो देश की अखंडता और सुरक्षा के लिए खतरा है।

14 मई को 1992 को लगाया था प्रतिबंध

मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया कि लिट्टे समर्थक जनता के बीच अलगाववादी विचारधारा को बढ़ावा दे रहे हैं। ये विशेष रूप से तमिलनाडु में लिट्टे के लिए समर्थन को जुटा रहे हैं। इससे भारत की क्षेत्रीय अखंडता पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा। भारत ने 14 मई को 1992 में को लिट्टे पर प्रतिबंध लगाया था। उसके बाद से इस प्रतिबंध को बढ़ाया जा रहा है। इससे पहले यूरोपीय संघ, कनाडा और अमेरिका ने भी इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया था।

जयपुर में सड़क-फुटपाथ खराब मिले तो होगा एक्शन

रोड लाइट की भी जांच होगी, नगर निगम कमिश्नर ने 9 इलाकों की रिपोर्ट मांगी

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में नगर निगम ग्रेटर क्षेत्र में ठेकेदारों के काम की जांच शुरू की गई है। ठेकेदारों ने जिन सड़कों, फुटपाथ, रोड लाइट के निर्माण और रिपेयरिंग का काम किया है। उनकी मौके पर जांच शुरू हो गई है। नगर निगम ग्रेटर की कमिश्नर रुक्मणी रियाड़ ने मालवीय नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनआईटी) को पत्र लिखा है। जयपुर में 9 कार्यों की जांच रिपोर्ट देने के लिए कहा है। दरअसल, सड़कों की क्वालिटी को बनाए रखने के लिए निगम प्रशासन ने थर्ड पार्टी जांच करवाने का निर्णय किया है। इसके लिए बकायदा एमएनआईटी जयपुर को 5.31 लाख रुपए का वर्क ऑर्डर जारी किया है। इस जांच में सड़कों, फुटपाथ की क्वालिटी के अलावा उसके मेजरमेंट की भी जांच की जाएगी। इसमें देखा जाएगा कि जो वर्क ऑर्डर नगर निगम ने ठेकेदार को दिया था। उसके अनुरूप काम हुआ है या नहीं?

सूत्रों के मुताबिक निगम कमिश्नर को पिछले कुछ दिनों से सड़कों की गुणवत्तापूर्ण और वर्क ऑर्डर के अनुरूप सड़कें नहीं बनने शिकायतें मिल रही थी। इसे देखते हुए कमिश्नर से एमएनआईटी जयपुर से सड़कों का थर्ड पार्टी इन्सपेक्शन करवाने का निर्णय किया।

इन सड़कों की जांच शुरू

जगतपुरा जोन में वार्ड नं. 118 में स्थित सेक्टर 18 प्रताप नगर के ब्लॉक संख्या 185 में बनाई सीसी सड़क।

मानसरोवर जोन में वार्ड नं. 70 के मध्यम मार्ग पर वरूण पथ चौराहे से स्वर्ण पथ चौराहे तक नाले की मरम्मत, उसके कवरिंग के लिए करवाए गए काम और जोन-31 में गलियों की मरम्मत के लिए करवाए गए कार्य।

वार्ड नं. 52, 54, 55 और 57 एआरसी के तहत किए गए कार्य।

झोटवाड़ा, मुरलीपुरा, विद्याधर नगर, मानसरोवर जोन एरिया में टूटे हुए पोल की जगह लगाए नए पोल, नए फीडर पिलर पैनल की एसेसरीज को बदलने का काम।

मानसरोवर जोन के वार्ड 12 में किए गए बी.टी. सड़क का काम।

विद्याधर नगर जोन के वार्ड 23, 24 के तहत किए गए इंटरलॉकिंग टाइल्स और सड़क का काम।

विद्याधर नगर जोन के वार्ड 16, 17, 18 की विभिन्न कॉलोनियों में किए गए फुटपाथ टाइल्स और डामर की सड़क का काम।

मानसरोवर जोन के वार्ड 58, 61 और 62 में किए गए विकास के कार्य।

मानसरोवर जोन के वार्ड 69 में के.एल. सैनी स्टेडियम के अंडर पाथ-वे का मरम्मत का काम।

शादी के 21 दिन बाद सरकारी टीचर की मौत

सर्विस बुक लेकर बाइक से लौट रहे थे घर; टाइल्स से भरा ट्रेलर पलटा

राजस्थान की राजनीति

दौसा। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर टाइल्स से भरा ट्रेलर बाइक सवार शिक्षक पर पलट गया। शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा दौसा के मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र में खेड़ी रामला गांव के पास मंगलवार दोपहर 4 बजे हुआ। शव सिकराय अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। परिजन के पहुंचने पर पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। थाना इंचार्ज गौरव प्रधान ने बताया- मनिया (धौलपुर) निवासी उमादत्त शर्मा (30) महात्मा गांधी गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, धौलपुर में ग्रेड थर्ड टीचर हैं। उनकी 2023 में सिकराय उपखण्ड मुख्यालय के पास रामेडा गांव के सरकारी स्कूल में पहली नियुक्ति हुई थी। ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू होने से पहले सर्विस बुक और अन्य रिकॉर्ड लेने के लिए वह सिकराय के गनीपुर गांव की गवर्नमेंट स्कूल में आए थे। यहां से लौटते समय हादसा हो गया।

मानपुर चौराहे पर उतरा साथी शिक्षक

बाइक पर उमादत्त के साथ सिकराय से साथी शिक्षक जॉर्ज सिंह निवासी हनुमानगढ़ भी आ रहे थे। उन्हें जयपुर जाना था, इसलिए जॉर्ज सिंह मानपुर चौराहे पर उतर गए। जॉर्ज सिंह सिकंदरा टोल प्लाजा तक भी नहीं पहुंचे थे कि उन्हें उमादत्त के एक्सीडेंट की खबर मिल गई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्पीड में भरतपुर की ओर जा रहा ट्रेलर पानी के टैंकर को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित हो गया और साइड से जा रही बाइक के ऊपर पलट गया।

23 अप्रैल को हुई थी शादी

पुलिस ने बताया- उमादत्त की एक साल पहले ही सरकारी नौकरी लगी थी। इससे पहले वह मनिया में संचालित एक अकादमी में बतौर शिक्षक पढ़ाते थे। उनके एक भाई है। 23 अप्रैल को ही उमादत्त की शादी हुई थी।

उमादत्त की मौत की सूचना मिलते ही परिवार का माहौल गमगीन हो गया। स्टाफ के कई साथी शिक्षक सिकराय अस्पताल पहुंच गए।

हादसे के बाद मौके पर भीड़ जुट गई थी। शव ट्रेलर के नीचे फंस गया था। पुलिस ने सिकंदरा टोल प्लाजा से क्रेन को मौके पर बुलाया। क्रेन की मदद से काफी मशक्कत के बाद शव निकाला गया। वहां मौजूद लोगों ने अंदेशा जताया कि एक अन्य युवक भी ट्रेलर के नीचे फंसा हुआ है। ऐसे में ट्रेलर में से टाइल्स को खाली करवाया गया। मौके पर मानपुर डिप्टी एसपी दीपक मीणा भी पहुंचे थे।

जयपुर में बच्चे को लगाया 17.50 करोड़ का इंजेक्शन

अमेरिका से जेके लोन हॉस्पिटल पहुंचा, दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है हृदयांश

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर के जेके लोन हॉस्पिटल में मंगलवार को 23 महीने के हृदयांश को 17.50 करोड़ रुपए का इंजेक्शन लगाया गया। अस्पताल में रेयर डिजीज यूनिट के इंचार्ज डॉक्टर प्रियांशु माथुर और उनकी टीम ने यह इंजेक्शन लगाया। बच्चे को अमेरिका से मंगवाया गया जोल गेनेस्मा इंजेक्शन लगाया गया।

हृदयांश स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी नामक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है, जिसके इलाज के लिए इंजेक्शन की जरूरत थी। परिवार क्राउड फंडिंग के जरिए पैसे जुटाने में लगा था। इसमें दैनिक भास्कर ने भी उनकी मदद की थी।

जन्म के 6 महीने बाद बीमारी का पता चला था

दरअसल, हृदयांश के माता-पिता नरेश शर्मा और शमा की शादी 7 साल पहले हुई थी। बेटी शुभी (6) के बाद हृदयांश के जन्म से पूरे परिवार में खुशी थी। सिजेरियन डिलीवरी से हृदयांश का जन्म हुआ था। जन्म के समय हृदयांश को किसी तरह की परेशानी नहीं थी। 6 महीने तक वह अपनी बॉडी का अच्छा मूवमेंट करता था। 6 महीने बाद जब परिवार के लोगों ने किसी सहारे से खड़ा करने की कोशिश की तो वह खड़ा नहीं हो पाया था। इसके बाद बीमारी का पता चला था।

बच्चे को 24 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखेंगे

इंजेक्शन लगाने के बाद डॉक्टर प्रियांशु माथुर ने बताया- इस बीमारी के कारण मसल्स में कमजोरी आने लगती है। बच्चे को चलने-फिरने में परेशानी होती है। सांस रुकने की भी संभावना रहती है। पहले भी दो बच्चों को थैरेपी दे चुके हैं। अब बच्चे को 24 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखेंगे।

बच्चे के नाना नरेश कुंबज ने बताया- सभी का सहयोग करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। पुलिस अधिकारियों ने भी बेटा समझकर हृदयांश की मदद की। इस मुहिम में मदद करने वालों का धन्यवाद। अब बच्चे के स्वस्थ होने की दुआ करें।

क्रिकेटर दीपक चाहर और सरफराज भी जुड़े थे मुहिम से

इस बीमारी की वजह से हृदयांश घुटनों के बल चल भी नहीं पा रहा था। परिवार को पता चला कि 17.50 करोड़ के इंजेक्शन से बेटे का इलाज हो सकता है, लेकिन इतने पैसे नहीं थे। इंजेक्शन खरीदने के लिए सोशल मीडिया पर मुहिम चलाई गई। भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर और सरफराज खान ने भी हृदयांश की जान बचाने के लिए अपील की थी। दीपक ने वीडियो जारी कर कहा था- %राजस्थान पुलिस के इंस्पेक्टर नरेश शर्मा के बेटे हृदयांश को गंभीर बीमारी है। यह बीमारी दुर्लभ है। इसके इलाज का खर्च भी काफी महंगा है। मुझसे जितनी मदद हो सकेगी, मैं करूंगा।%

सरफराज ने कहा था कि राजस्थान पुलिस में कार्यरत इंस्पेक्टर के बेटे की तबीयत काफी खराब है। उसके इलाज के लिए करोड़ों की कीमत के इंजेक्शन की जरूरत है। सरफराज ने लोगों से ज्यादा से ज्यादा डोनेशन देने की अपील की थी।

सांसद-विधायक भी आगे आए थे

भरतपुर सांसद रंजीता कोली ने पूरे मामले को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को आर्थिक सहायता देने के लिए पत्र लिखा था। वहीं, राजस्थान सरकार में मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर इंजेक्शन उपलब्ध करवाने के लिए कहा था। बयाना विधायक डॉ. ऋतु बनावत ने अपने विधायक कोष से हृदयांश के परिजनों को 21 लाख रुपए देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा था।

बता दें हृदयांश का परिवार अलवर के मसारी का रहने वाला है। हृदयांश के पिता नरेश शर्मा मनिया (धौलपुर) पुलिस थाने में एसचओ हैं। जो जयपुर में रहकर इलाज करवा रहे थे।

क्रिसिल सखियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

भारत संवाद

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। दौसा, नागल राजावतान, लवाण ब्लॉक के अधीनस्थ गांवों में ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवम् क्रिसिल फाउंडेशन के सहयोग से चल रहे मैं प्रगति प्रोग्राम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत क्रिसिल सखियों को एक दिविसीय वित्तीय साक्षरता विषय पर प्रशिक्षण दिया गया । जिसमें दौसा ब्लॉक से 40 सखियों ने भाग लिया। मैं प्रगती कार्यक्रम के राज्य परियोजना अधिकारी ओम प्रकाश योगी ने बताया की, मैं प्रगति प्रोग्राम के माध्यम से ग्रामीण समुदाय के लोगों को वित्तीय साक्षरता हेतु जागरूक करने का कार्य किया जाता है। यह कार्यक्रम राजस्थान के 5 जिलों में संचालित है। अलवर, दौसा, सवाई माधोपुर , करौली और बाँसवाड़ा जिसमें परियोजना में कार्यरत सभी 1557 सखियों की क्षमता का निर्माण करेगी। जो कार्यक्रम की रीढ़ हैं और जमीनी स्तर पर कार्यक्रम को क्रियान्वित करेंगी और जो वित्तीय सेवा तक पहुंच के माध्यम से बेहतर आजीविका के लिए समुदाय के लिए मिलकर काम करेंगी। इस कार्यक्रम के तहत दौसा व अलवर जिले में 13 ब्लॉक में काम कर रहे हैं जिसमें दौसा जिले में 9 ब्लॉक (1. दौसा 2. लालसोट 3. लवान 4.सिकंदरा 5.नांगल राजावतान 6 सिकराय 7. बेजूपाड़ा 8. बसवा 9. बांदीकुई और अलवर में 4 ब्लॉक 1. राजगढ़ 2.रामगढ़ 3 लक्ष्मण गढ़ 4.रैनी , कुल 607 सखियों की आगामी एक सप्ताह तक एक दिविसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कर उनकी दक्षता निर्माण पर संस्था कार्य करेगी। सभी सरकारी योजनाओं जैसे अटल पेंशन योजना, प्रधान मंत्री सुरक्षा योजना , प्रधानमंत्री जीवन ज्योती बीमा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना , आरडी एफडी पीपीएफ के बारे में अवगत करवाया। जिसमे जमीनी स्तर पर कार्यरत सभी सखियों को वित्तीय साक्षरता, वित्तीय समावेशन, वित्तीय लचीलापन (रेजिलियंस) को समझाते हुए बताया कि आज हमें समय अनुसार वित्तीय साक्षर होने के लिए सही नॉलेज, सही स्किल, सही प्रैक्टिस के माध्यम से पैसा की जानकारी से आर्थिक विकास को मजबूत बनाकर , वित्तीय समावेशन से जिसमे वित्तीय उत्पाद और सेवाओं से जोड़ा जाता है, वित्तीय रेजिलिएंस में हमे ऐसे वित्तीय समावेश जो आर्थिक आजादी को सुनिश्चित करता है। मैं प्रगती कार्यक्रम दौसा के जिला परियोजना समन्वयक विमल चौधरी प्रशिक्षण के दौरान बताया कि हमे जीवन में वित्तीय साक्षर बनने के लिए जीवन में एक लक्ष्य निर्धारण करना चाहिए, घर की आमदनी और खर्चों का पता लगाकर बचत और कर्ज को समझना चाहिए। बचत का निवेश ऐसी जगह लगाना चाहिए जहा अपना पैसा सुरक्षित और बढ़ते हुए हो, जीवन में सुरक्षित रहने के लिए बीमा , पेंशन स्कीमो से जुड़कर भविष्य सुरक्षित रखे , इसके साथ ही मीठा लाल ने सखियों को अपने गाँव समाज के लोगो किस प्रकार जागरूक कर उन्हें वित्तीय साक्षरता की समझ बढाने हेतु कार्य करना है . इस अवसर यूको ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान से प्रमिला जी ने सखियों को स्वरोजगार प्रशिक्षण के लिए विस्तार से समझाया और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस से पिंकू सैनी ने जीवन में होने वाले अचानक आए संकट से बचने के लिए लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसीयों के बारे में विस्तार से समझाया।

राजस्व अधिकारी बकाया राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध

निस्तारण करवाना सुनिश्चित करे - जिला कलक्टर

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार ने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी अपने दायित्वों का पालन करते हुये बकाया राजस्व प्रकरणों का निश्चित समय सीमा में निस्तारण करवाना सुनिश्चित करें तथा राजस्थान सम्पर्क पोर्टल, मुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्य सचिव कार्यालय, ग्राम पंचायत,ब्लॉक एवं जिला स्तरीय जनसुनवाई परिवादों एवं मार्क के बकाया प्रकरणों का नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें।

मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभा भवन में आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुये जिला कलक्टर ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी अपने दायित्वों का पालन करते हुये अपने पद स्थापन क्षेत्र के समस्त कार्यो को समय सीमा में पूर्ण करावे । जिला कलेक्टर ने कहा कि स्वंय की आईडी पर बकाया पेंशन, प्रधानमंत्री किसान योजना ई-केवाईसी व नए आवेदनों का अप्रूवल शीघ्रता से निस्तारण करें। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार के परिवादों व प्रकरणों का गुणवत्ता पूर्ण एवं नियमित निस्तारण करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को विभागीय समन्वय से अवैध खनन संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सर्तकता बरतते हुए अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होनें कहा कि कार्यालयों में फाईल कार्य शत-प्रतिशत ई-फाईल के माध्यम से हो तथा ई- फाईलों का निस्तारण न्युनतम समय में करना सुनिश्चित करें। जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी अतिक्रमण, स्थायी आवंटन, सीलिंग भूमि पर कब्जा, भू राजस्व अधिनियम, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, गैर खातेदारी से खातेदारी अधिकार, भूमि परिवर्तन, भूमि कन्वर्जन, मुख्यमंत्री सहायता तथा सीमाज्ञान सहित अन्य प्राप्त प्रकरणों का शीघ्रता से निस्तारण करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारी नामान्तरण के शेष प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने, सीमाज्ञान, भूमि आवंटन, स्थाई आवंटन, सिलिंग भूमि का कब्जा लेने, तकास्मा, अतिक्रमण संबंधी प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करवाने की व्यवस्था करे। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर सुमित्रा पारीक, उपवन संरक्षक अजित ऊचोई, जिला परिषद के सीईओ धारा सिंह मीणा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर लालसोट मनमोहन मीना, उप जिला कलक्टर दौसा मनीष कुमार जाटव, उप जिला कलक्टर लालसोट नरेंद्र कुमार मीणा, उप जिला कलेक्टर नांगल राजावतान व उप जिला कलक्टर लवाण बद्रीनारायण मीणा, उप जिला कलक्टर सिकराय यशवंत मीणा, उप जिला कलक्टर बांदीकुई रामसिंह राजावत, उप जिला कलक्टर महवा लाखन सिंह गुर्जर, उप जिला कलक्टर रामगढ पचवारा वर्षा मीणा सहित समस्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

4-साल के बच्चे को बनाना चाहते थे मदारी का जमूरा

कोटा से किडनैप कर ले गए थे भोपाल; जयपुर में 5 बदमाश गिरफ्तार

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। कोटा से किडनैप हुए बच्चे को जयपुर की जीआरपी पुलिस ने बरामद कर लिया है। पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जो भिवाड़ी (हरियाणा) के रहने वाले हैं। ये लोग बच्चे को मदारी का जमूरा बनाना चाहते थे।

एडीजी जीआरपी अनिल पालीवाल ने बताया- बच्चा चोरी के आरोपी मदारी का खेल दिखाते हैं। उनका उद्देश्य बच्चा चोरी कर उसे मदारी के खेल में जमूरा बनाने का था। कोटा से बच्चे को किडनैप कर भोपाल ले गए थे। फिर भोपाल से जयपुर शिफ्ट किया था। जयपुर से ही पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

470 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले

एडीजी जीआरपी अनिल पालीवाल ने बताया- 5 मई को कोटा रेलवे स्टेशन से बच्चे के किडनैप होने के बाद सभी रास्तों पर लगे हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले। 470 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस को लीड मिली। इससे पता चला कि वारदात के बाद बदमाशों ने कोटा शहर के बाहरी इलाके में एक ढाबे पर रात गुजारी।

जयपुर के अलग-अलग इलाकों में सर्च की गई

ढाबे के लोगों से पूछताछ में पुलिस को पता चला कि बदमाश बाइक से निकले हैं। फिर पता चला कि आरोपी बच्चे को लेकर भोपाल गए थे। वहां से जयपुर आ गए हैं। जयपुर जीआरपी पुलिस ने सोमवार को भट्टा बस्ती, बड़ के बालाजी और विद्याधर नगर के इलाकों में तलाशी की। विद्याधर नगर में बच्चा मिल गया। वहां से बच्चे को किडनैप करने वाले मुकेश मदारी, कर्ण मदारी, अर्जुन मदारी, प्रेम मदारी और लज्जो को गिरफ्तार किया।

10 साल पहले किडनैप हुआ बच्चा भी मिला

जयपुर पुलिस को आरोपियों के पास एक अन्य बच्चा भी मिला है। उसे 10 साल पहले किडनैप किया गया था। इस बच्चे से आरोपी भीख मंगवाते थे। जमूरा बनाकर काम करवाते थे।

क्या है मामला

जालखेडा, कैथून (कोटा) निवासी पिता अपने बेटे के साथ 5 मई को कोटा रेलवे स्टेशन गए थे। उन्हें आगरा फोर्ट ट्रेन से फिरोजाबाद जाना था। वे टिकट लेने के लिए लाइन में लगे थे। बेटा पास ही चेयर पर बैठा था। रात करीब 9:30 बजे पिता टिकट लेकर आए तो बेटा गायब था। उन्होंने तलाश शुरू की, लेकिन बच्चे का कहीं पता नहीं लगा।

उन्होंने पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने बच्चे की तलाश शुरू की। रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी फुटेज में बच्चा दो युवकों के साथ जाते दिख रहा था। ये दोनों बाहर निकल कर ऑटो स्टैंड पर रुके। फिर भीमगंज मंडी होते हुए निकल गए थे। इन्हीं बच्चा चोरों की तलाश करते हुए पुलिस गैंग तक पहुंची।

जयपुर में नर्सिंगकर्मी ने किया महिला से रेप

घर में घुसकर की जबरदस्ती, परिजनों को आते देखकर भागा

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में एक नर्सिंगकर्मी के महिला से रेप करने का मामला सामने आया है। घर में घुसकर आरोपी ने डरा-धमकाकर उसके साथ रेप किया। विरोध कर शोर मचाने पर परिजनों के आने पर आरोपी छोड़कर भाग निकला। कानोता थाने में पीड़िता ने आरोपी नर्सिंगकर्मी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच एसएचओ (कानोता) गौतम डोटासरा कर रहे है। पुलिस ने बताया- कानोता निवासी 21 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मार्च-2024 में वह एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज के लिए गई थी। आरोप है कि हॉस्पिटल के नर्सिंगकर्मी मोनू ने उससे दोस्ती करने का दबाव बनाया। मना करने के बाद भी आरोपी ने पीछा नहीं छोड़ा। अकेला पाकर आरोपी नर्सिंगकर्मी ने उसके साथ रेप किया। किसी को बताने पर परिवार को जहर देकर मारने की धमकी दी। अप्रैल-2024 में आरोपी जबरन घर में घुस आया। घर में अकेला पाकर आरोपी ने उसके साथ रेप किया। डरा-धमकाकर जबरन उसके साथ खुद के फोटोज भी खींच लिए। 5 मई की रात को जबरन अकेला पाकर उसको पकड़ लिया। विरोध कर शोर मचाने पर परिजनों को आते देखकर आरोपी भाग निकला। कानोता थाने में पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक एवं संपादक रमाकांत गोस्वामी द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, पीपलेश्वर मंदिर के पीछे, नला मौहल्ला,दौसा (राजस्थान)-303303 से प्रकाशित किया। संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, कार्यकारी संपादक भूपेंद्र कुमार शर्मा, स्थानीय संपादक: संजय लाटा (अवैतनिक) आरएनआई नं. RAJHIN/2012/43137, ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल- tniawaz.news@gmail.com, Group of Sites- www.hpnews.in, www.right2action.in, www.jaipurtak.com, www.dharmjagran.com, www.hindus-tanpatrika.com, www.freedomathought.com, www.tniawaaz.in (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।